RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अनक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:225 ता. 21 फरवरी 2024, बुधवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

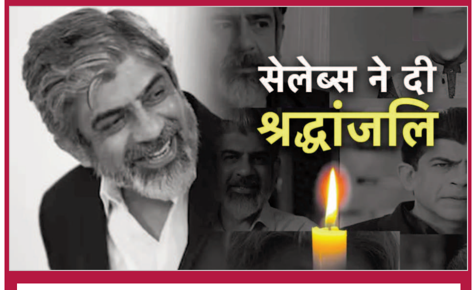

टीवी अभिनेता ऋतुराज सिंह को कई कलाकारों ने दी श्रद्धांजलि

मुंबई ।

टीवी अभिनेता ऋतुराज सिंह का 59 वर्ष की आयु में कार्डियक अरेस्ट के कारण सोमवार रात निधन हो गया था। उनके दोस्त अभिनेता अमित बहल ने इस खबर की पुष्टि की। ऋतुराज ने अपने करियर की शुरुआत दिल्ली में थिएटर से की थी और तभी से उनकी शाहरुख खान से दोस्ती हो गई क्योंकि वे एक ही थिएटर ग्रुप में थे। अपने लंबे करियर में अभिनेता ने इंडस्ट्री के कई लोगों के साथ करीबी रिश्ता साझा किया है। उनकी मौत पर टीवी से लेकर बॉलीवुड की कई दिग्गज हस्तियों ने शोक जताया है। इनमें अभिनेता मनोज बाजपेयी ने लिखा यह सच कैसे हो सकता है? सुबह-सुबह यह खबर सुनकर स्तब्ध हूं। आपकी आत्मा को शांति मिले ऋतुराज मेरे दोस्त ॐ शांति। निर्देशक हंसल मेहता ने लिखा इस खबर पर विश्वास नहीं हो रहा है। मैंने उन्हें के स्ट्रीट पाली हिल नामक एक डेली सोप में निर्देशित किया था जिसके बाद हम अच्छे दोस्त बन गए थे। हमारी दोस्ती को काफी समय हो गया था। मेरे पास अब केवल मधुर यादें हैं। आप अचानक और बहुत जल्दी चले गए। निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने लिखा ऋतुराज, मेरे दोस्त, यह सब कैसे हो गया? अभी तो कितनी जिंदगी बाकी थी। कलाकार कभी नहीं मरते हैं। वहीं अरशद वारसी ने लिखा मुझे यह जानकर बहुत दुख हुआ कि ऋतुराज का निधन हो गया है। हम एक ही बिल्डिंग में रहते थे वह एक निर्माता के रूप में मेरी पहली फिल्म का हिस्सा थे। मैने एक दोस्त और एक महान अभिनेता खो दिया। आपकी हमेशा याद आएगी भाई। सोनू सूद, कविता कौशिक जैसे अन्य सेलेब्स ने भी ऋतुराज की मौत पर शोक व्यक्त किया है। वरुण धवन ने अभिनेता के लिए एक नोट के साथ तस्वीर भी साझा की। रूपाली गांगुली ने भी सेट से ऋतुराज की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं और एक नोट उन्होंने लिखा कि आपके साथ स्क्रीन स्पेस साझा करना एक सम्मान की बात थी जैसे एक छात्र को एक शिक्षक से अपना पसंदीदा विषय सीखने को मिला हो। मैं बहुत खुश थी। आपने कहा था कि आपने मेरा काम देखा है फिर भी मैं आपको यह साबित करना चाहती थी कि मैं टेलीविजन के उन दिग्गजों में से एक के बगल में खड़े होकर फ्रेम में अपनी जगह बना सकती हूं जिन्हें मैंने बड़े होते हुए देखा था।

भड़काऊ भाषण मामले में फिर मिली मुफ्ती सलमान अजहरी को जमानत

कच्छ ।

गुजरात के कच्छ जिले की एक अदालत ने रविवार को मुंबई के इस्लामी उपदेशक मुफ्ती सलमान अजहरी को भड़काऊ भाषण मामले में जमानत दे दी। करीब दो हफ्ते पहले जिले के सामाखियाली कस्बे में एक धार्मिक कार्यक्रम में भड़काऊ भाषण देने के सिलसिले में अजहरी के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया है। सामाखियाली के पुलिस उप-निरीक्षक विशाल पटेल ने कहा कि भचाऊ में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी वाई शर्मा की अदालत ने मौलवी को जमानत दे दी है। विशाल पटेल ने कहा कि जमानत मिलने के बाद अजहरी को राजकोट केंद्रीय कारागार ले जाया गया जहां से अरवल्ली पुलिस शुक्रवार को मोडासा पुलिस थाने में उनके खिलाफ दर्ज तीसरे भड़काऊ भाषण के मामले में उसे हिरासत में लेगी। 8 फरवरी को भचाऊ अदालत ने अजहरी को रविवार तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया था। रविवार को जब उन्हें अदालत में पेश किया गया तो अजहरी के वकील ने जमानत याचिका दायर की। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने उनकी जमानत याचिका मंजूर कर ली। जूनागढ़ के बी डिवीजन पुलिस थाने की सीमा में 31 जनवरी को कथित तौर पर नफरत भरा भाषण देने के लिए उनके खिलाफ दर्ज पहली प्राथमिकी के सिलसिले में सात फरवरी को अजहरी को जमानत दे दी गई थी। इसी मामले के सिलसिले में उन्हें 5 फरवरी को मुंबई से हिरासत में लिया गया था।

71वीं मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का आयोजन भारत में

मुंबई । 71वीं मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता को लेकर दिल्ली में उत्साह साफ तौर पर दिख रहा है। कई सालों बाद भारत इस प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। इसमें 120 देश भाग ले रहे हैं। प्रतिभागी अपनी इस यात्रा को शुरू करने के लिए दिल्ली पहुंच चुकी हैं। दुनिया भर के देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली 120 प्रतियोगी होटल अशोका में एकत्रित हुईं। आने वाले सप्ताहों में, प्रतिभागी कई तरह की चुनौतियों का सामना करते हुए दिखाई देंगी, जहां केवल न उनकी सुंदरता बल्कि उनकी बुद्धि की भी परीक्षा होगी। मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन की अध्यक्ष और सीईओ जूलिया मॉर्ले के साथ प्रतिभागियों ने राजघाट पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन की थीम ब्यूटी विद ए पर्पस के अनुरूप है। 71वें मिस वर्ल्ड ग्रैंड फिनाले की उल्टी गिनती शुरू हो गई है, कार्यक्रम 9 मार्च को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में होगा।

51 देशों की नौसेना को उतारकर भारत ने रूस-अमेरिका को भी कर दिया एक

-यूक्रेन युद्ध के बावजूद शुरु हुआ नौसेना का साझा युद्धाभ्यास

नई दिल्ली ।

यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत में 51 देशों की नौसेना एक साथ युद्धाभ्यास में जुट गई हैं। जानकार बता रहे हैं कि वैश्विक कूटनीति का भारत बादशाह बनता जा रहा है। पहली बार ऐसा हुआ जब यूक्रेन युद्ध के बाद भी भारत एक साथ रूस और अमेरिका को साध रहा है। यूक्रेन पर हमले की वजह से रूस और अमेरिका की दुश्मनी बढ़ी है। लेकिन पहली बार ऐसा हो रहा है कि जब रूस और अमेरिका की नौसेना की नौसेनाएं साझा युद्धाभ्यास के लिए भारत आ रही हैं। भारत में मिलन नौसेना युद्धाभ्यास की शुरुआत हुई है, जिसमें 51 देशों की नौसेना हिस्सा ले रही है। इसकी खास बात ये है कि नौसेना युद्धाभ्यास करने भारत आए 51 देशों में 9 चीन के कट्टर दुश्मन हैं। ऐसे में एकजुटता की तस्वीरें बीजिंग में खलबली मचाने के लिए काफी है। बता दें कि भारतीय नौसेना का अब तक का सबसे बड़ा बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास मिलान 2024 19 फरवरी को विजाग शहर में शुरू हुआ, जिसमें भारतीय नौसेना और विदेशी नौसेनाओं के कई युद्धपोतों ने आयोजन के हार्बर चरण में भाग लिया। 19 से 23 फरवरी तक अभ्यास के हार्बर चरण में आरके बीच स्थान पर अंतर्राष्ट्रीय शहर परेड, अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सेमिनार, समुद्री तकनीक एक्सपो, मिलान गांव, युवा अधिकारियों का मिलन और विभिन्न खेल कार्यक्रम शामिल हैं। यहां पर 24 से 27 फरवरी तक समुद्री चरण के दौरान, भाग लेने वाली नौसेनाएं उन्नत वायु रक्षा, पनडुब्बी रोधी और सतह रोधी युद्ध अभ्यास आयोजित करेंगी। हवाई और सतही लक्ष्यों पर गनरी शूट, युद्धाभ्यास और चल रही पुनःपूर्ति आयोजित की जाएगी। बताया जा रहा है कि पहली बार, विजागाइट्स को विजाग के तट पर लंगर डाले हुए स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत की एक झलक मिलेगी। नौसेना अधिकारियों ने कहा कि पहली बार, दोनों विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य शहर में मौजूद होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 21 फरवरी को मिलन गांव का उद्घाटन करेंगे। वहीं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 22 फरवरी को

इंटरनेशनल सिटी परेड कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। बताया जा रहा हैं कि राजसी विमान वाहक आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य बड़े ड्राफ्ट होने के कारण तट से थोड़ी दूर स्थित होंगे। कुल मिलाकर, विभिन्न वर्गों के लगभग 20 भारतीय युद्धपोत शो में भाग हो रहे हैं, जिनमें आईएनएस चेन्नई, कोलकाता-श्रेणी का स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक शामिल है। मिलान के लिए नौसेना की रिहर्सल ने सोमवार को विजागाइट्स को रोमांचित कर दिया। इस बीच, शहर पुलिस ने 20, 21 और 22 फरवरी को यातायात में बदलाव किए गए हैं।

प्रदर्शनकारी किसान हाईवे पर ट्रैक्टर और ट्रॉली लेकर नहीं जा सकते

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली ।

प्रदर्शनकारी किसानों के मामले को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। इस दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि हाईवे पर ट्रैक्टर और ट्रॉली लेकर नहीं जा सकते हैं। अदालत ने अपने आदेश में मोटर वीकल कानून का हवाला दिया है। कोर्ट ने पंजाब सरकार को आदेश दिया कि बड़ी संख्या में लोगों को इकट्ठा न होने दें। हाईकोर्ट की ओर से कहा गया कि अधिकारों की बात तब सभी करते हैं, लेकिन संवैधानिक कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिए। किसान आंदोलन को लेकर चल रही सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा, आप ट्राली में सवार होकर अमृतसर से दिल्ली के लिए जा रहे हैं। हर किसी को आपके मौलिक अधिकारों के बारे में जानकारी है, मगर कुछ संवैधानिक कर्तव्य भी हैं जिनका पालन किया जाना चाहिए। अदालत ने मंगलवार को कहा कि उन्हें (किसानों) प्रदर्शन करने का अधिकार है, मगर कुछ जरूरी पाबंदियों का भी पालन करना चाहिए। सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से हाई कोर्ट को बताया गया कि प्रदर्शनकारी किसानों की मांग को लेकर बैठकें हुई हैं। इस पर हाईकोर्ट ने केंद्र को एक नया हलफनामा दायर करने का आदेश दिया, जिसमें यह बताया गया हो कि बैठक से क्या निकलकर सामने आया है। अब इस मामले पर अगले हफ्ते सुनवाई होगी। वहीं, किसान नेताओं ने 5 साल के लिए सरकारी एजेंसियों की ओर से एमएसपी पर दालों, मक्का और कपास की खरीद के केंद्र के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इनका कहना था कि केंद्र का प्रस्ताव किसानों के पक्ष में नहीं है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने केंद्र से फसलों के लिए एमएसपी पर कानूनी गारंटी और कृषि ऋण माफी सहित किसानों की अन्य मांगों को स्वीकार करने को कहा है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी की जाति पर की टिप्पणी

23 को सुनवाई

जयपुर ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जाति पर की गई टिप्पणी पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग कर शिकायत दायर की गई है। जयपुर मेट्रो-द्वितीय के मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत-11 ने सुनवाई के लिए 23 फरवरी की तारीख तय की है। वकील विजय कलंदर की ओर से दायर की शिकायत में कहा गया है कि पीएम मोदी की जाति के खिलाफ राहुल गांधी के बयान ने विभिन्न वर्गों और समुदायों के बीच अविश्वास की भावना पैदा की है। शिकायत में राहुल गांधी के न्याय यात्रा के दौरान दिए गए उस बयान का हवाला दिया गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी जन्मजात ओबीसी नहीं हैं। उनके बयान को देश की शांति, सुरक्षा, एकता और अखंडता के खिलाफ बताया गया है। शिकायत में कहा गया कि राहुल गांधी सार्वजनिक रूप से खुद को कश्मीरी पंडित बताते हैं, जबकि उनके दादा एक गैर-हिंदू परिवार से थे। शिकायतकर्ता ने कहा,कोर्ट पहले ही कई फैसलों में कह चुका है कि पिता की जाति ही बच्चों की जाति होगी। जाति जन्म से होती है और इस बदला नहीं जा सकता। इसकारण राहुल गांधी ने अपनी जाति छिपाकर बयान जारी किया है, जिससे शिकायतकर्ता की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। इसलिए मामले में कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा था, नरेंद्र मोदी का जन्म गुजरात में तेली जाति में हुआ था। उनके समुदाय को वर्ष 2000 में भाजपा द्वारा ओबीसी घोषित किया गया था। आपके प्रधान मंत्री का जन्म ओबीसी में नहीं हुआ था, प्रधान मंत्री का जन्म सामान्य जाति में हुआ था। वे पूरी दुनिया से झूठ बोल रहे हैं कि वह ओबीसी में पैदा हुए थे।

सोनिया, नड्डा और दो भाजपा प्रत्याशी राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने गए

नई दिल्ली (ईएमएस)।

राज्यसभा में अपना पहला कार्यकाल चिह्नित करते हुए, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी मंगलवार को राजस्थान से राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुनी गईं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी गुजरात से राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने गए हैं। 77 वर्षीय सोनिया गांधी ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण आगामी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा के बाद 14 फरवरी को जयपुर में अपना राज्यसभा नामांकन दाखिल किया। लोकसभा में रायबरेली का प्रतिनिधित्व करने वाली सोनिया गांधी सांसद के रूप में पांच कार्यकाल पूरा करने के बाद अगला आम चुनाव नहीं लड़ेंगी। उधर, राजस्थान में बीजेपी के चुन्नीलाल गडासिया और मदन राठौड़ भी निर्विरोध चुने गए। बिहार के सभी 6 उम्मीदवार राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। विधानसभा में भारी बहुमत के कारण गुजरात से भाजपा के ही चारों नेता राज्यसभा पहुंचे हैं।

महिलाओं को वेद अध्ययन और यज्ञ की अनुमति, दिन में शादी, 351 साल बाद तैयार हुई हिन्दू आचार संहिता पर लगेगी मुहर

वाराणसी ।

देश और दुनिया भर के हिन्दुओं के लिए अगले साल यानी 2025 का प्रयागराज महाकुंभ काफी महत्वपूर्ण होगा है। इसमें हिन्दू आचार संहिता पर अंतिम मुहर लगेगी। 351 साल बाद यह आचार संहिता अब बनकर तैयार है। विद्वानों के अनुसार सबसे पहले मनु स्मृति, फिर पाराशर और उसके बाद देवल स्मृति का निर्माण किया गया था। पिछले 351 सालों से स्मृतियों का निर्माण नहीं हो सका था। काशी की विद्वत परिषद द्वारा तैयार इस आचार संहिता में मंदिर में बैठने, पूजा-पाठ करने से लेकर शादी-ब्याह आदि तमाम संस्कारों के लिए सामान्य नियम बने हैं। इसमें महिलाओं को अशौचावस्था को छोड़कर वेद अध्ययन और यज्ञ करने की अनुमति होगी। इसके साथ ही रात के विवाह समारोहों की जगह दिन में विवाह को बढ़ावा दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि महाकुंभ में शंकराचार्य और महामंडलेश्वर की अंतिम मुहर लगने के बाद धर्माचार्य देश की जनता से हिन्दू आचार संहिता को अपनाने का आग्रह करने वाले हैं। काशी विद्वत परिषद के महामंत्री डॉ.रामनारायण द्विवेदी आचार्य ने हिन्दू आचार संहिता तैयार होने की पुष्टि की है। हिन्दू आचार संहिता को चार साल में देश भर के 70 विद्वानों की टीम ने तैयार किया है। काशी विद्वत परिषद ने यह टीम बनाई थी। मिली जानकारी के अनुसार आचार संहिता को तैयार करने के लिए कर्म और स्मृतियों को आधार बनाया गया है। श्रीमद्भागवत गीता, रामायण, महाभारत और पुराणों के अंश भी इसमें शामिल हैं। इसके साथ ही मनु स्मृति, पराशर स्मृति और देवल स्मृति को भी आधार बनाया गया है। हिन्दू आचार संहिता में व्यक्ति के जीवन के तमाम संस्कारों और महत्वपूर्ण आयोजनों के लिए सामान्य नियम हैं। इसमें जन्मदिन समारोह जैसे आयोजन में भारतीय परम्पराओं के पालन पर जोर है। इसमें विधवा विवाह की व्यवस्था को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही समय के अनुसार षोडश संस्कारों को भी सरल बनाया गया है। जैसे मृत्यु के बाद दिए जाने वाले भोज के लिए न्यूनतम 16 की संख्या निर्धारित की गई है। बताया जा रहा है कि 2025 के महाकुंभ प्रयागराज में अंतिम मुहर लगने के बाद नई हिन्दू आचार संहिता की प्रतियां देश भर में बांटी जाएंगी। पहले चरण में करीब एक लाख प्रतियां छापी जाएगी।

जन विश्वास यात्रा पर निकले तेजस्वी ने नीतिश को पुराने जमाने का नेता बताया

पटना ।

राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव मंगलवार को बिहार के तूफानी दौरे पर निकले हैं। इस दौरान उनके 11 दिनों के भीतर राज्य के सभी 38 जिलों को कवर करने की संभावना है। तेजस्वी यादव ने मुजफ्फरपुर से दौरे की शुरुआत की। मोतिहारी, जहां पूर्वी चंपारण जिले का मुख्यालय है, वहां रात्रि विश्राम के लिए पहुंचने से पहले उनका सीतामढी और शिवहर में दो और सार्वजनिक बैठकों को संबोधित करने का कार्यक्रम है। दौरे की शुरुआत की पूर्व तेजस्वी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पुराने जमाने का नेता कहा, जो अपनी कुर्सी खुद ही छोड़ दें तब बेहतर होगा। जन विश्वास यात्रा की शुरुआत से पहले राजद नेता तेजस्वी यादव ने अपने आवास पर पूजा की। उन्होंने कहा कि हम आज से जनता के बीच जा रहे हैं। हमारी सरकार ने 17 महीने में जो काम किया, उस हम जनता के सामने रखने वाले है। सीएम नीतीश कुमार जनता के फैसले को कोई महत्व नहीं देते...जनता इसका जवाब देगी। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के छोटे बेटे और उत्तराधिकारी यादव ने दावा किया कि वे नीतिश के नए विद्रोह के कारण अपनी पार्टी के सत्ता खोने से निराश नहीं हैं।

तेजस्वी ने आरोप लगाया, लेकिन आज बिहार को स्थिरता और दूरदर्शी नेतृत्व की जरूरत है। अपने ढुलमुल रवैये और लीक से हटकर सोचने में असमर्थता से नीतीश कुमार ने दिखाया है कि उनमें इन दोनों का अभाव है। उन्होंने कहा कि फिर भी, जिन 17 महीनों में हमने सत्ता साझा की, हमने उनसे 10 लाख सरकारी नौकरियां पैदा करने की राजद की प्रतिज्ञा के आलोक में साहसिक निर्णय लिए। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी हमारी किताब से कुछ सीखना पड़ा और रोजगार मेलों का आयोजन करना पड़ा।

कांग्रेस ने एमएसपी पर गांरटी की बात कही, मोदी की मित्र मीडिया भ्रम फैलाने में जुट गई : राहुल गांधी

नई दिल्ली ।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी मिलने से देश का किसान बजट पर बोझ नहीं, बल्कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का सूत्रधार बनेगा। उन्होंने कहा कि यह झूठ कहा जा रहा है कि बजट के मद्देनजर एमएसपी की कानूनी गारंटी दे पाना संभव नहीं है। हाल ही में कांग्रेस ने वादा किया कि अगर 2024 में इंडिया गठबंधन केंद्र की सत्ता आता हैं, तब किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाएगी। राहुल गांधी ने पोस्ट किया, जब से कांग्रेस ने एमएसपी की कानूनी गारंटी देने का संकल्प लिया है, तब से मोदी के प्रचारतंत्र और मित्र मीडिया ने एमएसपी पर झूठ की झड़ी लगा दी है। उनके मुताबिक यह झूठ बोला जा रहा है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी दे पाना भारत सरकार के बजट में संभव नहीं है। उन्होंने कहा, सच यह है कि क्रिसिल के अनुसार 2022-23 में किसान को एमएसपी देने में सरकार पर 21,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार आता, जो कुल बजट का मात्र 0.4 प्रतिशत है।

उन्होंने सवाल किया, जिस देश में 14 लाख करोड़ रुपये के बैंक ऋण माफ कर दिए गए हों, 1.8 लाख करोड़ रुपये कॉर्पोरेट कर में छूट दी गई हो, वहां किसान पर थोड़ा सा खर्च भी इनकी आंखों को क्यों खटक रहा है? राहुल गांधी ने कहा कि एमएसपी की गारंटी से कृषि में निवेश बढ़ेगा, ग्रामीण भारत में मांग बढ़ेगी और किसान को अलग अलग किस्म की फसलें उगाने का भरोसा भी मिलेगा, जो देश की समृद्धि की गारंटी है। उन्होंने कहा, जो एमएसपी पर भ्रम फैला रहे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि कांग्रेस जनता के साथ हो रहे अन्याय के विरुद्ध लड़ रही है और पार्टी को इस लड़ाई में लोगों से चंदे के रूप में सहयोग की जरूरत है। श्री गांधी ने कहा कि कांग्रेस लोगों के चंदा पर जनता के हितों की लड़ाई लड़ती है। कांग्रेस की ताकत भाजपा की तरह इलेक्ट्रोल

बॉन्ड नहीं बल्कि जनता से मिलने वाले चंदे के बॉन्ड है इसलिए लोगों से वह पार्टी के लिए दान देने का आग्रह कर रहे है।

भड़काऊ भाषण मामले में फिर मिली मुफ्ती सलमान अजहरी को जमानत

कच्छ । गुजरात के कच्छ जिले की एक अदालत ने रविवार को मुंबई के इस्लामी उपदेशक मुफ्ती सलमान अजहरी को भड़काऊ भाषण मामले में जमानत दे दी। करीब दो हफ्ते पहले जिले के सामाखियाली कस्बे में एक धार्मिक कार्यक्रम में भड़काऊ भाषण देने के सिलसिले में अजहरी के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया है। सामाखियाली के पुलिस उप-निरीक्षक विशाल पटेल ने कहा कि भचाऊ में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी वाई शर्मा की अदालत ने मौलवी को जमानत दे दी है। विशाल पटेल ने कहा कि जमानत मिलने के बाद अजहरी को राजकोट केंद्रीय कारागार ले जाया गया जहां से अरवल्ली पुलिस शुक्रवार को मोडासा पुलिस थाने में उनके खिलाफ दर्ज तीसरे भड़काऊ भाषण के मामले में उसे हिरासत में लेगी। 8 फरवरी को भचाऊ अदालत ने अजहरी को रविवार तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया था। रविवार को जब उन्हें अदालत में पेश किया गया तो अजहरी के वकील ने जमानत याचिका दायर की। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने उनकी जमानत याचिका मंजूर कर ली। जूनागढ़ के बी डिवीजन पुलिस थाने की सीमा में 31 जनवरी को कथित तौर पर नफरत भरा भाषण देने के लिए उनके खिलाफ दर्ज पहली प्राथमिकी के सिलसिले में सात फरवरी को अजहरी को जमानत दे दी गई थी। इसी मामले के सिलसिले में उन्हें 5 फरवरी को मुंबई से हिरासत में लिया गया था।

गुजरात में 24 घंटे में 7 लोगों ने खुदकुशी की

अहमदाबाद । गुजरात में 24 घंटे में 7 लोगों ने खुदकुशी कर ली। गांधीनगर सिविल अस्पताल में ट्यूबरक्लोसिस का इलाज करा रहे एक 20 वर्षीय युवक ने शनिवार को इमारत की सातवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। पीड़ित राहुल ठाकोर ने पहचान का प्रमाण नहीं दिया था या अस्पताल के फॉर्म में अपना पता नहीं बताया था। वहीं बेहरामपुरा निवासी 31 वर्षीय दिनेश मकवाना ने शनिवार शाम को नदी के किनारे बने रास्ते से साबरमती में छलांग लगा दी और अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मकवाना लंबे समय से एक बीमारी से पीड़ित थे और ऐसा संदेह है कि उन्होंने अपनी परेशानी दूर करने के लिए यह कदम उठाया। साबरमती रिवरफ्रंट पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की आगे की जांच कर रही है। आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है। अहमदाबाद में शनिवार शाम तक 24 घंटों में छह लोगों ने भी आत्महत्या की है। घाटलोडिया निवासी 15 वर्षीय किशोरी ने शनिवार दोपहर अपने आवास पर फांसी लगा ली। पुलिस के मुताबिक लड़की के माता-पिता ने उसकी पढ़ाई पर ध्यान न देने के लिए उसे डांटा था। हालांकि घाटलोडिया पुलिस आत्महत्या के सही कारण का पता लगाने की कोशिश कर रही है। चार अन्य आत्महत्याएं 29-34 वर्ष की आयु वर्ग में दर्ज की गई हैं। दो आत्महत्याएं 50 के मध्य के लोगों द्वारा की गई हैं। ओढव के हरिओम पार्क निवासी 29 वर्षीय रवि ठाकोर ने शनिवार दोपहर को छत के पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली। उन्हें शिंगरवा सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। 11 फरवरी को आत्महत्या का प्रयास करने वाले अमराईवाड़ी निवासी 56 वर्षीय व्यक्ति ने शनिवार को एलजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। मुकेश गुप्ता ने अपने आवास पर फांसी लगाने की कोशिश की थी, लेकिन उन्हें बचा लिया गया और अस्पताल ले जाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा था। हालांकि उन्हें बचाया नहीं जा सका। वटवा निवासी 57 वर्षीय नीलेश पटेल ने भी शुक्रवार रात जमालपुर पुल से साबरमती में छलांग लगा दी। एक दिन बाद उसका शव नदी से निकाला गया। रिवरफ्रंट पुलिस पूर्व ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया है। ठक्करनगर निवासी 34 वर्षीय आशा जड़ेजा ने शनिवार दोपहर अपने आवास पर फांसी लगा ली। उसे कोठिया अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एक अन्य घटना में रामोल निवासी 30 वर्षीय मिथलेश प्रजापति ने आत्महत्या कर ली क्योंकि उसकी पत्नी उसे छोड़कर अपने मायके चली गई थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मिथलेश इससे काफी आहत हुआ और उसने फांसी लगा ली।

सुनवाई के दौरान ही हाईकोर्ट में हो गई बत्ती गुल, अंधेरे में बैठे रहे जज

श्रीनगर । जम्मू और कश्मीर हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान ही अदालत की बत्ती गुल हो गई। इस पर न्यायाधीश भड़क गए और उन्होंने हाईकोर्ट की स्थिति को दयनीय करार दे दिया। अदालत ने इस संबंध में ज्यूडिशियल नोट भी जारी कर दिया है और मुख्य सचिव से मामले में दखल देने के लिए कहा है। बता दें ?कि जम्मू और कश्मीर के कुछ इलाकों में सर्दियों के महीनों में बिजली की कमी से जूझ रहा है। जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस मोक्ष खजूरिया काजमी की डिवीजन बेंच ने पाया कि कटौती सुबह 9 बजकर 30 मिनट पर हुई थी, जो 11 बजकर 28 मिनट तक भी बहाल नहीं हो सकी थी। कोर्ट में कश्मीर विश्वविद्यालय से जुड़े एक मामले की सुनवाई चल रही थी। इस संबंध में कोर्ट की तरफ से मुख्य सचिव को पत्र लिखकर सुझाव भी दिए गए हैं। बेंच ने कहा, अदालत के कामकाज के समय दिन में अंधेरा छा गया। इस दौरान स्थिति इतनी खराब थी कि जेनरेटर भी काम नहीं कर रहा है, कोई रोशनी नहीं है, एयर हीटिंग यूनिट (एएचयू) भी काम नहीं कर रही है। नोट में लिखा गया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के श्रीनगर विंग की यह स्थिति दयनीय है। बेंच का कहना है बिजली संकट को दूर करने के लिए एक स्थायी समाधान की जरूरत है। कोर्ट ने मुख्य सचिव से इस संबंध में जरूरी निर्देश जारी करने के लिए कहा है। कोर्ट ने कहा, समाधान कई हो सकते हैं जैसे उच्च न्यायालय के लिए एक अलग बिजली लाइन की व्यवस्था हो जिसमें बिजली जाने जैसी कोई समस्या नहीं आए और इसके साथ अदालत के कामकाज को प्रभावित होने से बचाने के लिए जनरेटर के साथ ही एयर हीटिंग यूनिट के बीच बगैर रोक टोक चलाने की व्यवस्था करनी चाहिए।

खराब मौसम के दरमियां फंस कर रह गई दिल्ली-श्रीनगर इंडिगो फ्लाइट

नई दिल्ली । सोमवार को खराब मौसम के दरमियां दिल्ली से श्रीनगर जा रहे इंडिगो के एक विमान को परेशनी से जूझना पड़ गया। जानकारी के अनुसार यह विमान जब हिलने लगा तो यात्रियों में दहशत फैल गई। मिली जानकारी के अनुसार जब विमान गंभीर रूप से खराब मौसम में फंस गया। खराब मौसम के कारण श्रीनगर जाने वाली उड़ान में बड़े पैमाने पर लोगों की सांसें अटक गई। हालांकि घटना में किसी के घायल होने या क्षति की सूचना नहीं है, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इसमें फ्लाइट के हिलने पर यात्रियों को अपनी कुर्सियों को पकड़े हुए देखा जा सकता है। जानकारी के अनुसार सोमवार शाम 5.30 बजे फ्लाइट ने दिल्ली से उड़ान भरी। हालांकि गनीमत रही कि यह श्रीनगर में सुरक्षित रूप से उतर गया। सोमवार को कश्मीर में गुलमर्ग स्कीइंग रिसॉर्ट समेत ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश हुई। घाटी के कुपवाड़ा, हंदवाड़ा और सोनमर्ग इलाकों से भी बर्फबारी की खबर है। श्रीनगर शहर समेत घाटी के बाकी हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश हुई। जम्मू क्षेत्र में भी बारिश हुई, जिससे रामबन जिले में दो स्थानों पर भूस्खलन के कारण श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया। उड़ान के दौरान कोई चीज़ सुचारू प्रवाह को बाधित करती रही जिससे फ्लाइट में बैठे यात्री भी घबरा गए। तूफान, जेट स्ट्रीम और पहाड़ अशांति पैदा करने वाले तीन मुख्य कारक बताए जा रहे हैं।

वंदेभारत में मिल रहे घटिया खाने की यात्री ने शेयर की तस्वीर

नई दिल्ली । वंदेभारत ट्रेन में मिले घटिया खाने की एक तस्वीर यात्री ने सोशल मी?डिया पर शेयर की है। जिसमें न तेल है, न नमक मिर्च है। बता दें कि वंदेभारत में यात्रियों को ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर की भी सुविधा दी जाती है। हालांकि इसके लिए अलग से चार्ज देना पड़ता है। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने वंदेभारत में मिलने वाले खाने की तस्वीर पोस्ट की जो कि तेजी से वायरल हो रही है। यूजर इस पोस्ट पर मजेदार कॉमेंट भी कर रहे हैं। कपिल नाम के एक यूजर ने लिखा, इतना हेल्दी खाना उपलब्ध करवाने के लिए धन्यवाद अश्विनी वैष्णव जी। इसमें ना तो तेल है है और ना ही मिर्च मसाला। इस कैप्शन के साथ यूजर ने छोले की तस्वीर भी पोस्ट की। दरअसल यूजर ने इस खाने को लेकर तंज किया था। कई लोगों ने यह भी पूछा कि वह खाने की तारीफ कर रहा था या फिर उसपर अफसोस जता रहा था। स्टोरी लिखने तक इस पोस्ट को 20 लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं और 20हजार लोग लाइक कर चुके हैं। एक शख्स ने कहा कि आज कल हार्ट अटैक से ज्यादा मौतें हो रही हैं ऐसे में यह रेसिपी घर-घर पहुंचानी है। अश्विनी वैष्णव जी को स्वस्थ्य भारत के योगदान के लिसए धन्यवाद। कपिल ने रिप्लाई करते हुए कहा, ये क्या रेसिपी है। उबले छोले लो और नमक डाल के फिर से उबाल लो। एक अन्य यूजर ने लिखा, यह तो डिश बहुत ही खतरनाक नजर आ रही है।

मंत्रिमंडल सहयोगी के साथ अयोध्या पहुंचे सीएम धामी ने कहा, आज हम गौरवान्वित हो रहे

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन-पूजन किए और कहा कि आज हम गौरवान्वित हो रहे हैं कि फिर से राम युग शुरू हो रहा है। सीएम धामी अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों, सतपाल महाराज, रेखा आर्य, धन सिंह रावत, प्रेमचंद अग्रवाल और सुबोध उनियाल के साथ रामनगरी पहुंचे। इस दौरान उनके साथ राज्यसभा सदस्य नरेश बंसल भी मौजूद रहे। मंदिर में दर्शन के बाद मुख्यमंत्री धामी ने कहा, श्रीराम का उत्तराखंड से अटूट संबंध है। सरयू नदी का उद्गम स्थल जिसके तट पर श्रीराम के पिता एवं महाराज दशरथ ने संतान प्राप्ति के लिए अनुष्ठान किया था, वह बागेश्वर जिले में है। हमारा गहरा संबंध है और उत्तराखंड के लोग हमेशा यहां आएंगे।'' राम मंदिर में चढ़ाने के लिए धामी और अन्य लोग उत्तराखंड से मिष्ठान इत्यादि भी लाए थे। इस दौरान श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय भी मौजूद थे। बाद में चंपत राय ने मुख्यमंत्री और अन्य लोगों को पूरे परिसर का दौरा कराया और वहां जारी निर्माण कार्यों से संबंधित जानकारी भी दी।

बता दें कि विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री अयोध्या आकर दर्शन कर रहे हैं। अब तक अरुणाचल प्रदेश, गोवा और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री जहां अपने परिजनों और

मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ रामलला के दर्शन कर चुके हैं। वहीं पंजाब और दिल्ली के मुख्यमंत्री हाल ही में अपने परिवार के साथ दर्शन करने अयोध्या आए थे।

रामलला के दर्शन के बाद पुरानी स्मृतियों को ताजा कर सीएम धामी ने कहा, लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र रहते हुए बहुत बार अयोध्या आया और तब भगवान रामलला को टेंट में देखकर उस समय मन भावुक होता था, लेकिन आज हम गौरवान्वित हो रहे हैं कि फिर से राम युग शुरू हो रहा है। अयोध्या में उत्तराखंड सदन की स्थापना को लेकर पूछे सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उप्र सरकार से अनुरोध किया गया है। जमीन मिलने पर राज्य का एक सदन यहां पर बन जाएगा। आम चुनाव में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के प्रभाव के बारे में पूछने पर धामी ने कहा, राम यत्र, तत्र और सर्वत्र हैं।

पगड़ी पहनी तो खालिस्तानी हो गया? भाजपा नेता पर भड़के आईपीएल जसप्रीत सिंह

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में भाजपा नेताओं द्वारा एक सिख पुलिस अधिकारी को कथित तौर पर खालिस्तानी कहे जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। आईपीएस अधिकारी ने टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मैंने पगड़ी पहनी है, आप ऐसा कह रहे हैं। अगर मैंने पगड़ी नहीं पहनी होती, तो क्या आप मुझे खालिस्तानी कहते? आप पुलिस के बारे में जो चाहें कह सकते हैं, लेकिन आप मेरे धर्म पर टिप्पणी नहीं कर सकते। वीडियो में दिख रहे पुलिस अधिकारी 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी जसप्रीत सिंह हैं। सिंह

वर्तमान में पश्चिम बंगाल पुलिस में विशेष अधीक्षक (खुफिया ब्यूरो) के पद पर तैनात हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को घटना का एक वीडियो साझा किया और भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा कि पार्टी की 'विभाजनकारी राजनीति ने बेशर्मी से संवैधानिक सीमाओं को लांघ दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह हमारे सिख भाइयों और बहनों की प्रतिष्ठा को कमजोर करने के प्रयास' की निंदा करती हैं। ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा कि आज, बीजेपी की विभाजनकारी राजनीति ने संवैधानिक सीमाओं को बेशर्मी से लांघ दिया है। बीजेपी के अनुसार, पगड़ी पहनने वाला हर व्यक्ति खालिस्तानी है। उन्होंने कहा कि मैं हमारे सिख भाइयों और बहनों की प्रतिष्ठा को कमजोर करने के इस दुस्साहसिक प्रयास की कड़ी निंदा करती हूं, जो हमारे राष्ट्र के लिए उनके बलिदान और अटूट दृढ़ संकल्प के लिए सम्मानित हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बोले केजरीवाल, लोकतंत्र बचाने के लिए शुक्रिया, भगवंत मान मे कहा- सत्य की जीत हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के लिए एक बड़ी जीत में, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चंडीगढ़ मेयर चुनाव के नतीजों को पलट दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के साथ, 'आप' मेयर पद के उम्मीदवार कुलदीप कुमार, जो मामले में याचिकाकर्ता भी थे, को चुनाव का विजेता घोषित किया गया है। इसको लेकर अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि कुलदीप कुमार एक गरीब घर का लड़का है। INDIA गठबंधन की ओर से चंडीगढ़ का मेयर बनने पर बहुत बहुत बधाई। ये केवल इंडिया जनतंत्र और माननीय सुप्रीम कोर्ट की वजह से संभव हुआ। हमें किसी भी हालत में अपने जनतंत्र और स्वायत्त संस्थाओं की निष्पक्षता को बचाकर रखना है।

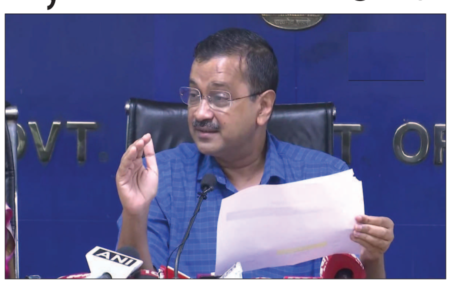

एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में लोकतंत्र को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद! केजरीवाल ने कहा कि मुझे लगता है कि भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। हम सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देते हैं। देश में हालात ऐसे हैं कि तानाशाही चल रही है। लोकतंत्र को कुचला जा रहा है। सभी संस्थाओं को कुचला जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला लोकतंत्र के लिए बहुत मायने रखता है...ये इंडिया अलायंस की बड़ी जीत है- पहली और बड़ी...हमने उनसे जीत छीन ली है। उन्होंने चुनाव, वोट 'चोरी' किये थे। लेकिन हम अंत तक लड़े और अंततः जीत गए। उन्होंने कहा कि जो लोग कहते हैं कि भाजपा को हराया नहीं जा सकता - भाजपा को एकजुटता से, अच्छी योजना और रणनीति और कड़ी मेहनत से हराया जा सकता है। ये नतीजे यही साबित करते हैं।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान मे कहा कि आखिरकार सत्य की जीत हुई। चंडीगढ़ में मेयर चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हम स्वागत करते हैं। पीठासीन अधिकारी द्वारा खारिज किए गए 8 वोटों को सही ठहराते हुए CJI ने AAP के कुलदीप कुमार को मेयर घोषित किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी द्वारा सरेआम की गई गुंडागर्दी का उन्हें मुंहतोड़ जवाब मिला है। लोकतंत्र की इस बड़ी जीत पर चंडीगढ़वासियों को बहुत-बहुत बधाई।

कुलदीप कुमार ने कहा कि ये सत्य की जीत है. लोकतंत्र को जिंदा रखा है. मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं...मैं उन सभी नेताओं और इंडिया एलायंस को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने मुझे वोट दिया। भाजपा वैसे ही बेनकाब होगी जैसे यहां बेनकाब हुई थी और हर जगह उसे हार का सामना करना पड़ेगा। 3 क्कपार्षदों के बीजेपी में शामिल होने पर वह कहते हैं, ÷मुझे उम्मीद है कि वे वापस आएंगे। हो सकता है कि वे गुमराह होकर वहां गए हों। लेकिन वे पार्टी के सच्चे सिपाही थे। शायद वे वापस आएंगे...।'

दिल्ली के मंत्री और आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बीजेपी को मेयर चुनाव में कैमरे पर गड़बड़ी करते देखा गया। यह देश के लिए चिंता का विषय है. जहां न कैमरा होगा, न माइक्रोफोन, वहां पार्टी क्या कर रही होगी? आप उन सभी जगहों पर केंद्र सरकार पर कैसे भरोसा कर सकते हैं? सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार की पोल खोल दी है। केंद्र सरकार के सबसे बड़े वकील ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पीठासीन अधिकारी का प्रतिनिधित्व किया।

आप की कांग्रेस को दो टूक : दिल्ली में एक ही सीट देंगे, मंजूर हो तो बोलें

नई दिल्ली। कांग्रेस के सामने चौतरफा चुनौतियां हैं। उसके अपने सहयोगी दल भी अब उसे आंखे दिखाने लगे हैं। आम आदमी पार्टी ने साफ कर दिया है कि दिल्ली में कांग्रेस के लिए एक सीट छोड़ सकते हैं,इससे ज्यादा नहीं। 7 लोकसभा सीटों में से आप ने देश की सबसे पुरानी पार्टी को एक ही सीट क्यों दी, इस पर दिल्ली की सत्ताधारी पार्टी ने एक बार फिर अपना रुख साफ किया है। आप का कहना है कि दिल्ली में कांग्रेस के वोट लगातार घट रहे हैं। दिल्ली के विधायक और आप के वरिष्ठ नेता संजीव झा ने कहा कि कांग्रेस लगातार कमजोर हो रही है और दिल्ली में आप का जनाधार ज्यादा है इसलिए यह फॉर्मूला दिया गया। संजीव झा ने एक इंटरव्यू में कहा, यदि वोटिंग पर्सेंटेज की बात करें, 2015 का चुनाव हो या 2020 का, लगातार कांग्रेस का वोट घट रहा है। इस लिहाज से तय कि कांग्रेस एक सीट पर और आम आदमी पार्टी 6 सीट पर लड़े।

जन विश्वास यात्रा पर निकले तेजस्वी ने नीतिश को पुराने जमाने का नेता बताया

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव मंगलवार को बिहार के तूफानी दौरे पर निकले हैं। इस दौरान उनके 11 दिनों के भीतर राज्य के सभी 38 जिलों को कवर करने की संभावना है। तेजस्वी यादव ने मुजफ्फरपुर से दौरे की शुरुआत की। मोतिहारी, जहां पूर्वी चंपारण जिले का मुख्यालय है, वहां रात्रि विश्राम के लिए पहुंचने से पहले उनका सीतामढी और शिवहर में दो और सार्वजनिक बैठकों को संबोधित करने का कार्यक्रम है। दौरे की शुरुआत की पूर्व तेजस्वी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पुराने जमाने का नेता कहा, जो अपनी कुर्सी खुद ही छोड़ दें तब बेहतर होगा।

जन विश्वास यात्रा की शुरुआत से पहले राजद नेता तेजस्वी यादव ने अपने आवास पर पूजा की। उन्होंने कहा कि हम आज से जनता के बीच जा रहे हैं। हमारी सरकार ने 17 महीने में जो काम किया, उस हम जनता के सामने रखने वाले है। सीएम नीतीश कुमार जनता के फैसले को कोई महत्व नहीं देते...जनता इसका जवाब देगी। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के छोटे बेटे और उत्तराधिकारी यादव ने दावा किया कि वे नीतिश के नए विद्रोह के कारण अपनी पार्टी के सत्ता खोने से निराश नहीं हैं।

तेजस्वी ने आरोप लगाया, लेकिन आज बिहार को स्थिरता और दूरदर्शी नेतृत्व की जरूरत है। अपने ढुलमुल रवैये और लीक से हटकर सोचने में असमर्थता से नीतीश कुमार ने दिखाया है कि उनमें इन दोनों का अभाव है। उन्होंने कहा कि फिर भी, जिन 17 महीनों में हमने सत्ता साझा की, हमने उनसे 10 लाख सरकारी नौकरियां पैदा करने की राजद की प्रतिज्ञा के आलोक में साहसिक निर्णय लिए। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी हमारी किताब से कुछ सीखना पड़ा और रोजगार मेलों का आयोजन करना पड़ा।

पश्चिमी विक्षोभ का असर-उत्तर भारत के कई राज्यों में हो सकती है झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले दो दिनों में उत्तर भारत के कई राज्यों का मौसम बदलने वाला है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण झमाझमा बारिश होने के आसार भी बन रहे हैं। राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में बूंदाबांदी हुई। वहीं उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब समेत कई राज्यों में अगले दो दिनों तक झमाझम बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग का कहना है कि इस समय दो पश्चिमी विक्षोभ बने हुए हैं। इस वजह से पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी जारी रहने का अनुमान है। उत्तर भारत में भी इसका असर देखने को मिल रहा है। वहीं दिल्ली, पश्चिमी यूपी, हरियाणा और पंजाब में ओलावृष्टि का भी अलर्ट जारी किया गया है। अगले दो दिनों तक कई राज्यों में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। स्काइमेट वेदर की मानें तो 20 से लेकर 21 फरवरी तक हिमाचल प्रदेश और जम्मू संभाग में ओलावृष्टि हो सकती है। 20 और 21 फरवरी को पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के कुछ इलाकों में बारिश हो सकती है। तेज हवाओं के साथ बिजली गिरने की भी संभावना है। इसके अलावा 21 से 24 फरवरी के बीच सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में बर्फबारी और हल्की बारिश हो सकती है। इसके अलावा असम, मेघालय मे भी हल्की से मध्यम वर्षा का अनुमान है।

सोमवार की रात दिल्ली-एनसीआर में हल्की बारिश और तेज हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। एक बार फिर मौसम करवट ले रहा है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिनों तक तेज हवाएं और गरज-चमक के साथ बारिश जारी रहेगी। मौसम विभाग ने पहले ही दिल्ली-एनसीआर का मौसम बदलने का अलर्ट जारी किया था। हालांकि दिल्ली के तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश के मेरठ में भी हल्की बारिश हुई। इसके अलाला चंडीगढ़ से फरीदाबाद तक बादल छाए हुए हैं और तेज हवाएं चल रही हैं। मौसम के जानकारों के मुताबिक तेज हवाएं कई जगहों पर बादल को उड़ा सकती है। ऐसे में बारिश कम ही होगी।

गायक और भाजपा सांसद हंसराज हंस पर लगे आर्थिक अनियमितताओं के आरोप

जालंधर (एजेंसी)। मशहूर सिंगर और भाजपा सांसद हंसराज हंस पर आर्थिक अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। मामला डेरा में फर्जी बिलों का है। जिसे लेकर शिकायत की गई है। आरोप है कि हंसराज हंस वर्ष 2008 में उनके पास आए और उन्हें कमेटी में शामिल करने का आग्रह करते हुए डेरा को बुलंदियों पर लेकर जाने का भरोसा दिया। परंतु आज तक हंसराज हंस ने डेरा के विकास में अपनी तरफ से एक पैसा भी खर्च नही किया है। कुंदन साईं, हैप्पी संधू व अन्यों ने आरोप लगाया कि यह सारा फर्जीवाड़ा हलका विधायक इंद्रजीत कौर मान की छत्रछाया में हो रहा है। पिछले दिनों कमेटी के चुनाव में विधायक मान ने अपनी ताकत का इस्तेमाल कर चुनाव को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों पर सिरोपा भेंट करते तो सुना गया था परंतु सोने के गहने पहनाना पहली बार देखा है। अब मेहनत करके रोजी-रोटी कमाने वाले श्रृषि नगर के लोगों को ही डराया धमकाया जा रहा है। उक्त लोगों ने मांग की कि इस सब के लिए सांसद हंसराज हंस और विधायक इंद्रजीत कौर मान जिम्मेदार हैं। साथ ही उन्होंने लाखों रुपये की हेराफेरी की निष्पक्ष जांच व आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में जब

हंसराज हंस का पक्ष जानना चाहा तो उनसे संपर्क नही हो सका।

कुंदन साईं, ऑल पंजाब ट्रक ऑपरेटर यूनियन के प्रदेश प्रधान हैप्पी संधू, हरि मित्तल सोंधी पूर्व एम.सी, पुरषोत्तम लाल बिट्टू, टिम्मी गिल, डिंपल गिल व अन्यों ने आज डिप्टी कमिश्नर और एस.पी देहाती को शिकायत पत्र सौंपने के उपरांत एक पत्रकार वार्ता में कहा कि इस डेरा की जमीन श्रृषि नगर की है और वह लोग डेरा की पिछले 20 वर्षों से सेवा करते आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2022 में स्वयंभू कमेटी के गठन के बाद से डेरा के खाते में फर्जी बिलों को डालकर भारी धांधलीयां की जा रही है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी धांधली डेरा के खाते में फर्जी बिलों को डाल कर लोगों के चढ़ावे से एकत्रित फंड्स में लाखों की धोखाधड़ी की जा रही है। सबसे बड़ी धोखाधड़ी 21 मई 2022 को राजस्थान की एक फर्म से मिलकर की गई है, उन्होंने कहा कि दरबार में लगाने को 1418350 रूपए का मार्बल ट्रक नंबर आरजे 47 जीए-0289 के जरिए नकोदर भेजा गया परंतु 24 मई 2023 को न्यू राजस्थान मार्बल, नकोदर ने उसी मार्बल का 23,13,980 बिल देकर सीधे तौर पर करीब 9 लाख रुपए की ठगी की है। इसी प्रकार 31 जुलाई 2023, नोहरिया राम धीर ज्वैलर्स से 2 बिलो के जरिए 3,53,034 रुपये कीमत का एक सोने का ब्रेसलेट और 52,689 रुपये के सामान की खरीदी के अलावा 1 अन्य ज्यूलर्स से 442900 रूपए का सोना खरीदा गया है। आरोप है कि कमेटी के मैंबरों ने वार्षिक मेला दौरान ब्रेसलेट हंसराज हंस को पहनाया था, परंतु बाकी सोना क्या था और किसे दिया गया उसका कोई उल्लेख नही है। इतना ही नही डेरा के खर्च पर होटल में कमरा बुक कराने के बिलों में भी फर्जीवाड़ा सामने आया है। उन्होंने कहा कि होटल के रिकार्ड में कमरा बुक कराने वाली कंपनी और गैस्ट दोनों का नाम अलमस्त बापू लाल बादशाह दरबार दर्ज किया गया है।

संदेशखाली बना जंग का अखाड़ा, राजभवन ने खोले पीड़ितों के लिए दरवाजे

-यौन शोषण की शिकार महिलाओं को लिए बनाया तीन कमरे का पीस होम

कोलकाता (एजेंसी)। इस समय पश्चिम बंगाल का संदेशखाली जंग का अखाड़ा बन गया है। वहां की महिलाओं ने टीएमसी के नेताओं पर यौन शोषण का आरोप लगाया है। इस मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम एक्शन में आई है और पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंची है। इस बीच, संदेशखाली की पीड़िताओं के लिए राजभवन के दरवाजे खोल दिए गए हैं। यहां तीन कमरों का पीस होम खोला गया है। कहा गया है कि जो पीड़िताएं वहां नहीं रह पा रही हैं, वे यहां आना चाहती हैं तो आकर रुक सकती हैं। इसके लिए सभी व्यवस्थाओं सहित तीन कमरे अलॉट किए गए हैं। वहीं राज्यपाल सीवी आनंद बोस भी इस मामले पर नजर रख रहे हैं। राज्यपाल ने पीस होम खोलने का कदम उठाया है। बता दें कि राज्यपाल भी संदेशखाली गए थे। वहां पीड़िताओं ने आपबीती सुनाई थी और राज्यपाल को राखी बांधी थी। उसके बाद राजभवन में पीड़ित परिवारों के कई फोन भी आ रहे थे। इन पीड़िताओं का कहना था कि हम संदेशखाली से निकलना चाहते हैं। इसी को ध्यान में रखकर राज्यपाल ने गवर्नर हाउस में तीन कमरे अलॉट किए हैं।

इधर बीजेपी नेता शुभेंदू अधिकारी भी आज संदेशखाली जा रहे हैं। उनके पहुंचने से पहले वहां धारा 144 लागू कर दी गई है। यहां पर पीस होम में महिलाओं का रहना, खाना-पीना निशुल्क होगा। राजभवन की तरफ से सभी व्यवस्थाएं मुहैया कराई जा रही हैं। इतना ही नहीं, राजभवन के अंदर पीड़िताओं को मदद भी मिलेगी। इसके लिए महिला कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। राजभवन का कहना है कि अगर संदेशखाली में किसी पीड़ित महिला को डर लग रहा है तो वो यहां आकर रह सकती हैं। पीड़ित परिवारों को हर तरह की मदद मुहैया करवाई जाएगी। दरअसल राज्यपाल ने संदेशखाली की पीड़िता महिलाओं को न्याय दिलाने और उनकी रक्षा करने का वादा किया है। उन्होंने पीड़िताओं से वादा किया कि वह नियमित रूप से सभी के संपर्क में रहेंगे और वह पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

राज्यपाल के संदेशखाली के निरीक्षण दौरे के वक्त राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा भी मौजूद थीं। उन्होंने कहा कि संदेशखाली पीड़ित महिलाओं के लिए शांति होम्स उनके भाई के घर की तरह है। दरअसल पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली इलाके में पिछले कुछ दिनों से महिलाएं बड़ी संख्या में प्रदर्शन कर रही हैं। महिलाओं ने प्रदेश की सत्ता

पर काबिज तृणमूल कांग्रेस के फरार नेता शाहजहां शेख और उनका आरोप है कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के फरार नेता शाहजहां शेख और उनके समर्थकों ने उनका यौन उत्पीड़न किया और जबरन जमीन पर भी कब्जा कर लिया है।

हेली का बयान, अमेरिका में एक महिला राष्ट्रपति होगी, मैं या फिर...

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार निक्की हेली ने अमेरिका की महिला राष्ट्रपति की वकालत कर कहा है कि या तब वह या उपराष्ट्रपति कमला हैरिस शीर्ष पद पर काबिज होंगी। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन दोनों ही राष्ट्रपति बनने के लिए काफी उम्रदराज हैं। हेली प्राइमरी और चुनावों में ट्रम्प से पीछे चल रही हैं। सर्वेक्षणों का हवाला देकर, हेली ने कहा कि अधिक अमेरिकी बढ़ती उम्र के कारण ट्रंप या बाइडेन को अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में नहीं देखना चाहते हैं। हेली ने कहा कि 70 फीसदी अमेरिकी ट्रंप या बाइडेन को देखना नहीं चाहते। 59 फीसदी अमेरिकी मानते हैं, कि बाइडेन और ट्रंप बूढ़े हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व राजदूत ने उस उम्मीदवार की आवश्यकता पर बल दिया जो इसे अपने बारे में नहीं, बल्कि इस अमेरिकी लोगों के बारे में बनाकर आठ साल की कड़ी मेहनत कर सके। उन्होंने कहा कि मैं यही करने की कोशिश कर रही हूं। जो पार्टी 80 साल के उम्मीदवार से छुटकारा पा लेगी, वहीं पार्टी जीतेगी।

क्लास रुम में मोबाइल पर प्रतिबंध..सुनक का फरमान पड़ गया उल्टा

लंदन। ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक के स्कूलों में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध को बढ़ावा देने का प्रयास शानदार ढंग से उलटा पड़ गया, उनके वीडियो का सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर मजाक उड़ाया गया। इतना ही नहीं सुनक के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों ने इस पर चुटकी ली। पोस्ट की गई 50 सेकंड की क्लिप में, सुनक ने अपने फोन की घंटी बजने से लगातार बाधित होने की नकल करते हुए दिखाया कि कैसे मोबाइल फोन कक्षाओं में ध्यान भटका सकते हैं। सुनक ने क्लिप में कहा कि माध्यमिक विद्यालय के लगभग एक-तिहाई विद्यार्थियों ने कहा कि फोन के कारण उनकी पढ़ाई बाधित होती है। हम जानते हैं कि वे कक्षा में ध्यान भटकाते हैं और स्कूलों में बदमाशी का कारण बनते हैं। कई स्कूलों ने पहले ही उन पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे इससे उनके छात्रों के लिए एक सुरक्षित और बेहतर सीखने का माहौल तैयार हुआ। हालाँकि, वीडियो को अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली। सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने क्लिप को अपराधी कहा और सुनक के अभिनय कौशल की तुलना जीसीएसई नाटक से की। विपक्षी लेबर पार्टी ने मौके का फायदा उठाकर एक पैरोडी वीडियो जारी किया, जिसमें सुनक अपना फोन चेक कर रहे हैं, जिसमें ब्रिटेन की मंदी, एनएचएस प्रतीक्षा सूची और आव्रजन चुनौतियों के बारे में नकली सूचनाएं सामने आ रही हैं। सुनक सरकार ने कहा कि स्कूलों के लिए नए मार्गदर्शन का उद्देश्य व्यवधान को कम करना और व्यवहार में सुधार करना है। दिशानिर्देश स्कूलों को प्रतिबंध को लागू करने में लचीलेपन की पेशकश करता है, जिसमें घर पर फोन छोड़ने से लेकर, आगमन पर उन्हें सौंपना, या उन्हें दुर्गम लॉकर में रखना शामिल है, बशर्ते उनका उपयोग न किया जाए या सुना न जाए।

दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में यात्री की संख्या कोरोना से पहले वाली स्थिति में पहुंची

दुबई। अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए दुनिया के सबसे व्यस्त दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पिछले साल यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या कोरोना से ठीक पहले के वर्ष 2019 की तुलना में काफी अधिक रही। दुबई हवाई अड्डे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पॉल ग्रिफिथ्स ने इसकी जानकारी साझा की। वर्ष 2023 के आंकड़े बताते हैं कि हवाई अड्डा महामारी के संकट से उबर चुका है, हालांकि यह आंकड़ा वर्ष 2018 के सर्वकालिक उच्चतम स्तर से अभी पीछे है। आंकड़ों के अनुसार 2023 में हवाई अड्डे से 8.69 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की, जबकि 2019 में यह आंकड़ा 8.63 करोड़ था। अगर 2018 की बात करें तब इस वर्ष यहां से 8.91 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की थी, जो कि महामारी से पहले का सबसे बड़ा आंकड़ा है। वर्ष 2022 में 6.6 करोड़ यात्रियों इस हवाई अड्डे का इस्तेमाल किया। इस हवाईअड्डे से बड़ी संख्या में यात्री भारत, सऊदी अरब, ब्रिटेन और पाकिस्तान जाते हैं।

गाजा में अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी से 8 लोगों की मौत

गाजा। दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर के प्रमुख अस्पताल में इजरायल की ओर से हो रहे लगातार हमलों से बिजली गुल होने और ऑक्सीजन आपूर्ति बाधित होने के कारण आठ मरीजों की मौत हो गई। फ़िलिस्तीन की स्वास्थ्य मंत्री माई अल-कैला ने यह जानकारी दी। सुश्री अल-कैला ने कहा कि इजरायली हमले के कारण नासिर अस्पताल में उपचार करवा रहे अन्य रोगियों के जीवन पर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने बिस्तर पर पड़े मरीजों और चिकित्सा कर्मचारियों की रिहाई के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का आह्वान किया और दावा किया कि इजरायली सैन्य ट्रकों द्वारा उन्हें अस्पताल से अज्ञात स्थान पर ले जाया गया है। उधर, इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने कहा कि उसने इजरायली सुरक्षा एजेंसी बलों के साथ एक संयुक्त अभियान में सैकड़ों आतंकवादियों और अन्य संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, जो अस्पताल में छिपे हुए थे और कुछ चिकित्सा कर्मचारी के रूप में काम कर रहे थे। आईडीएफ ने कहा कि अस्पताल में बड़ी मात्रा में हथियार और एक इजरायली सीमा किबुत्ज से संबंधित एक वाहन पाया गया। साथ ही इजरायली बंधकों को सौंपी जाने वाली दवाएं भी मिलीं। आईडीएफ ने हमास पर अस्पताल में मरीजों को मानव ढाल के रूप में उपयोग करने का आरोप लगाया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजरायली सेना ने मेडिकल कॉम्प्लेक्स को सैन्य बैरक में तब्दील कर दिया है, जिससे अंदर के मरीजों और चिकित्सा कर्मचारियों का जीवन खतरे में है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 25 चिकित्साकर्मी और 136 मरीज अभी भी अस्पताल में बिजली, पानी, भोजन, ऑक्सीजन या अन्य आवश्यक सामानों के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

यूरोपीय संघ के 26 देशों ने गाजा में तत्काल मानवीय विराम की मांग की

ब्रुसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) के 26 सदस्य देशों ने गाजा पट्टी में तत्काल मानवीय विराम का आह्वान किया है। यह जानकारी ब्लॉक के विदेश नीति प्रमुख जोसेप बोरेल ने दी। यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों की एक बैठक में, हंगरी को छोड़कर सभी यूरोपीय संघ के देशों ने इजरायल को दक्षिणी गाजा शहर राफा पर हमला करने के खिलाफ चेतावनी दी, उन्होंने कहा कि इससे शहर में 15 लाख शरणार्थियों पर संकट गहरा जाएगा। आयरलैंड के विदेश मंत्री माइकल मार्टिन ने कहा कि राफा पर हमला विनाशकारी होगा और यह अनुचित होगा। राफा शहर पर हमला करने की इजरायल की कथित योजनाओं से अंतरराष्ट्रीय खतरे की घंटी बज गई है, कई देशों ने इजरायल से संयम बरतने या अभियान को रद्द करने का आग्रह किया है।

अदन की खाड़ी में दो अमेरिकी जहाजों पर हूती विद्रोहियों का हमला

सना। यमन के हौथी समूह ने अदन की खाड़ी में दो अमेरिकी जहाजों पर मिसाइल हमले किए हैं। समूह के सैटेलाइट टीवी चैनल द्वारा प्रसारित एक बयान में, हौथी सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने सोमवार शाम को कहा कि अमेरिकी जहाजों, सी चैंपियन और नेविस फोर्टुना पर हमले किए गए। सरिया के हवाले से दी गई जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान हौथी ?विद्रो ?हियों ने चार बार हमला किया। सबसे पहले एक ब्रिटिश जहाज को निशाना बनाया गया। वह पूरी तरह डूब गया। दूसरे ने होदेइदा गवर्नरेट के हवाई क्षेत्र में एक अमेरिकी एमक्यू9 ड्रोन को मार गिराया, जबकि पिछले दो हमलों में दो अमेरिकी जहाजों को निशाना बनाया गया। हौथी सैन्य प्रवक्ता ने बयान में कहा कि लाल सागर और अरब सागर में हमारा अभियान बढ़ेगा और तब तक नहीं रुकेगा जब तक गाजा पर इजरायली हमला जारी रहेगा। इससे पहले सोमवार को ब्रिटेन की समुद्री व्यापार संचालन एजेंसी ने कहा था कि ब्रिटेन में पंजीकृत जहाज से चालक दल सुरक्षित निकल गया है। इस बीच, यूएस सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा कि ब्रिटिश मालवाहक जहाज उत्तरी यमन में हौथी-नियंत्रित क्षेत्रों से दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों से नष्ट हो गया। इधर यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा कि 18 फरवरी को रात 9ः30 से 10ः45 बजे के बीच, दो एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइलें यमन के ईरान समर्थित हौथी आतंकवादी-नियंत्रित क्षेत्रों से बेलीज-ध्वजांकित, ब्रिटेन के स्वामित्व वाले जहाज एमवी रूबीमार पर दागी गईं। इनमें से एक मिसाइल जहाज से टकराया, इससे जहाज को क्षति हुई। यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा ?कि जहाज ने एक संकट कॉल जारी की और एक अन्य व्यापारी जहाज के साथ गठबंधन युद्धपोत ने एमवी रूबीमार के चालक दल को बचा लिया गया।

प्राग में यूरोपीय यूनियन की कृषि नीतियों के खिलाफ विरोध व्यक्त करने के लिए देश के झंडे के साथ खड़ा एक टैक्टर।

रुसी राष्ट्रपति पुतिन ने तानाशाह किम जोंग को तोहफे में दी कार

प्योंगांग। इन दिनों रुस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग के साथ अच्छी दोस्ती चल रही है। पुतिन ने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन को एक रूसी निर्मित कार उपहार में दी है। यह दोनों नेताओं के बीच के आपसी मजबूत संबंधों को दर्शा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह उपहार दोनों नेताओं के बीच विशेष व्यक्तिगत संबंधों का स्पष्ट प्रदर्शन है। रूस ने कोरिया की सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के सचिव और उत्तर कोरियाई नेता की बहन किम यो-जोंग को वाहन उपहार में देने की जानकारी दे दी है। किम यो-जोंग ने किम जोंग उन को पुतिन के उपहार के लिए रूसी पक्ष को धन्यवाद दिया। पिछले साल सितंबर में, पुतिन ने शिखर सम्मेलन के लिए रूस में वोस्तोचन अंतरिक्ष बंदरगाह की अपनी यात्रा के दौरान किम जोंग उन को अपना वाहन ऑरस सीनेट लिमोसिन दिखाई थी। पुतिन ने उन्हें रूस निर्मित लग्जरी वाहन में सफर भी कराया था। बता दें कि किम जोंग उन को रूसी राष्ट्रपति का उपहार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन हो सकता है, जो उत्तर कोरिया को ऑटोमोबाइल सहित लग्जरी सामानों की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाता है।

रूस-अमेरिका को भी कर दिया एक साथ, भारत में एक साथ उतरी 51 देशों की नौसेना, अब क्या करेगा चीन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक कूटनीति का भारत बादशाह बनता जा रहा है। पहली बार ऐसा हुआ जब यूक्रेन युद्ध के बाद भी भारत एक साथ रूस और अमेरिका को साध रहा है। यूक्रेन पर हमले की वजह से रूस और अमेरिका की दुश्मनी बढ़ी है। लेकिन पहली बार ऐसा हो रहा है कि जब रूस और अमेरिका की नौसेना की नौसेनाएं साझा युद्धाभ्यास के लिए भारत आ रही हैं। भारत में मिलन नौसेना युद्धाभ्यास की शुरुआत हुई है, जिसमें 51 देशों की नौसेना हिस्सा ले रही है। खास बात ये है कि नौसेना युद्धाभ्यास करने भारत आए 51 देशों में 9 चीन के कट्टर दुश्मन हैं। ऐसे में एकजुटता की तस्वीरें बीजिंग में खलबली मचाने के लिए काफी है।

भारतीय नौसेना का अब तक का सबसे बड़ा बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास मिलान 2024 19 फरवरी को विजाग शहर में शुरू हुआ, जिसमें भारतीय नौसेना और विदेशी नौसेनाओं के कई युद्धपोतों ने आयोजन के हार्बर चरण में भाग लिया। 19 से 23 फरवरी तक अभ्यास के हार्बर चरण में आरके बीच स्थान पर अंतर्राष्ट्रीय शहर परेड, अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सेमिनार, समुद्री तकनीक एक्सपो, मिलान गांव, विषय वस्तु विशेषज्ञ विनिमय, युवा अधिकारियों का मिलन और विभिन्न खेल कार्यक्रम शामिल हैं। 24 से 27 फरवरी तक समुद्री चरण के दौरान, भाग लेने वाली नौसेनाएं उन्नत वायु रक्षा, पनडुब्बी रोधी और सतह रोधी युद्ध अभ्यास आयोजित करेंगी। हवाई और सतही लक्ष्यों पर गनरी शूट, युद्धाभ्यास और चल रही पुनःपूर्ति आयोजित की जाएगी।

पहली बार, विजागाइट्स को विजाग के तट पर लंगर डाले हुए स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत की एक झलक मिलेगी। नौसेना अधिकारियों ने कहा कि पहली बार, दोनों विमानवाहक पोत - आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य - शहर में मौजूद होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 21 फरवरी को मिलन गांव का उद्घाटन करेंगे. उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 22 फरवरी को इंटरनेशनल सिटी परेड कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। राजसी विमान वाहक - आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य - बड़े ड्राफ्ट होने के कारण तट से थोड़ी दूर स्थित होंगे। कुल मिलाकर, विभिन्न वर्गों के लगभग 20 भारतीय युद्धपोत शो में भाग लेंगे जिनमें आईएनएस चेन्नई, कोलकाता-श्रेणी का स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक शामिल है। मिलान के लिए नौसेना की रिहर्सल ने सोमवार को विजागाइट्स को रोमांचित कर दिया। इस बीच, शहर पुलिस ने 20, 21 और 22 फरवरी को यातायात प्रतिबंध और बदलाव लागू कर दिए हैं। सुरक्षा और यातायात नियमों के लिए लगभग 3,500 पुलिस कर्मियों को नियुक्त किया गया है।

इमरान ने चल दिया दांव, एसआईसी से हाथ मिलाएगी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) केंद्र, पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में सरकार बनाने की कोशिश के लिए सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) से हाथ मिलाएगी। ऐसा तब हुआ है, जब पीटीआई ने मजलिस वहदत-ए-मुस्लिमीन (एमडब्ल्यूएम) के साथ सहयोग किया। लेकिन जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के साथ समझौते पर बातचीत करने में असफल रही। पीटीआई नेता बैरिस्टर गौहर अली खान ने कहा है कि पार्टी सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल के साथ एक औपचारिक समझौते पर पहुंच गई है, इस पाकिस्तान चुनाव आयोग को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेशनल असेंबली, पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा विधानसभाओं में हमारे उम्मीदवार सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल में शामिल होने वाले है। नेशनल असेंबली में 70 आरक्षित सीटें हैं और पूरे देश में 227 आरक्षित सीटें हैं। ये सीटें केवल राजनीतिक दलों को प्रदान की जाती हैं। इसलिए, हमारी आरक्षित सीटों की रक्षा करने और हमारे सदस्यों को कवर प्रदान करने के लिए, हमने एक औपचारिक समझौता हुआ जिसके तहत हमारे सभी उम्मीदवार पार्टी में शामिल हो गए हैं और हम यह दस्तावेज ईसीपी के समक्ष पेश करने वाले है। पीटीआई के पीएम पद के उम्मीदवार उमर अयूब खान ने कहा कि उनकी पार्टी देश में एकता चाहती है और इसलिए पार्टी समर्थित उम्मीदवारों ने केंद्र और सभी प्रांतों में सुन्नी इत्तेहाद परिषद में शामिल होने का फैसला किया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि आरक्षित सीटों का कोटा राजनीतिक दलों के पास है। सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल के साथ आने से नेशनल असेंबली में पीटीआई की ताकत बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि एसआईसी में शामिल होने और सरकार बनाने के बाद, पार्टी की पहली प्राथमिकता इमरान खान, उनकी पत्नी बुशरा बीबी, शाह महमूद कुरैशी और पीटीआई के वरिष्ठ नेतृत्व के अन्य सदस्यों को रिहा कराने की होगी। रिपोर्ट के अनुसार, सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल के नेता हाफिज हामिद रजा ने बताया कि पीटीआई के साथ उनकी पार्टी का गठबंधन लगभग आठ साल पहले हुआ था। उन्होंने कहा कि मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह एक अकेले का फैसला नहीं है। इसमें पीटीआई नेतृत्व और इमरान की मंजूरी शामिल है। रजा ने कहा कि एसआईसी और मजलिस वहदत-ए-मुस्लिमीन दो पार्टियां थीं जिन्होंने हमेशा सांप्रदायिक हिंसा का विरोध किया था।

विपक्षी नेता की पत्नी ने पुतिन पर लगाया बेटे के शव को छिपाने का आरोप

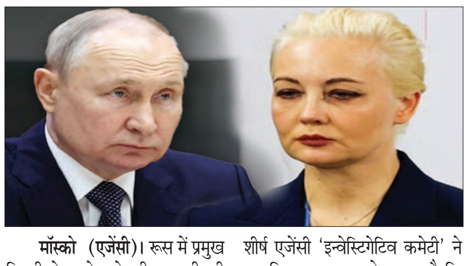

मॉस्को (एजेंसी)। रूस में प्रमुख विपक्षी नेता रहे एलेक्सी नवलनी की पत्नी यूलिया नवलन्या ने देश के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर उनके बेटे के शव को छिपाने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही उन्होंनें कहा कि मेरे पति को जहर देकर मारा गया है। इस तरह से उन्होंने अपनी लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया। इस बीच, नवलनी की मां ल्यूदमिला नवलन्या को आर्कटिक पीनल कॉलोनी में स्थित मुर्दाघर नहीं जाने दिया गया। बताया जा रहा है कि वहां उनके बेटे एलेक्सी नवलनी का शव रखा हुआ है। यूलिया नवलन्या ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में व्लादिमीर पुतिन पर जेल में बंद उनके पति की हत्या करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा नवलनी के शव को सौंपने से इनकार करना इसी सच को छुपाने के लिए उठाया गया कदम है। वहीं नवलनी की प्रवक्ता किरा यार्मिश ने कहा कि देश में अपराधों की जांच करने वाली शीर्ष एजेंसी 'इन्वेस्टिगेटिव कमेटी' ने ल्यूदमिला नवलन्या को बताया है कि उनके बेटे की मौत का कारण पता नहीं चला है और अधिकारी जांच कर रहे हैं।

प्रवक्ता यार्मिश ने कहा कि नवलनी की 69 वर्षीय मां और उनके वकीलों को सोमवार सुबह सालेकहार्ड के मुर्दाघर में जाने की अनुमति नहीं दी गई। जब उन्होंने पूछा कि क्या शव वहां है तो कर्मचारियों ने कोई जवाब नहीं दिया। बता दें कि नवलनी (47) की 16 फरवरी को जेल में मौत हो गई थी। नवलनी साल 2021 से ही जेल में बंद थे। उन्हें भ्रष्टाचार और रूस सरकार खिलाफ व्यापक विरोध-प्रदर्शनों के लिए जाना जाता था। यूलिया नवलन्या ने पुतिन आरोप लगाते हुए कहा कि 'वे कायर हैं और शव को छिपा रहे हैं, उनका शव उनकी मां को देने से इनकार कर रहे हैं, सरासर झूठ बोल रहे हैं और जहर दिए जाने के सबूत मिटने की कोशिश कर रहे हैं।

अल अक्सा मस्जिद में एंट्री से रोका तो मुश्किल में पड़ सकते हैं नेतन्याहू

येरुसलेम (एजेंसी)। इजराइल और हमास के बीच लंबे समय से युद्ध छिड़ा हुआ है। दोनों तरफ से नई नई पाबंदियां लगाई जा रही हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि इजराइल द्वारा येरूशलम में स्थित अल अक्सा मस्जिद में एंट्री पर रोक लगाई जा सकती है। चूंकि अगले माह रमजान शुरु होने वाले हैं और ऐसे में पाबंदियां लगाई गईं तो मुसलमानों में नाराजगी बढ़ेगी। इससे पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से एक बयान में कहा गया कि इस संबंध में एक फैसला ले लिया गया है। हालांकि उन्होंने अब तक यह नहीं बताया है कि क्या फैसला लिया गया है।

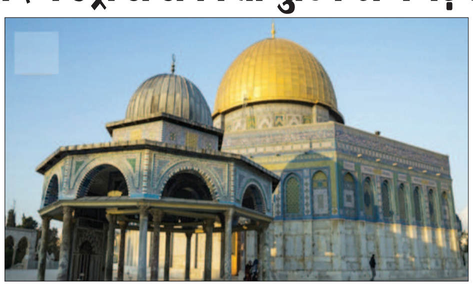

इस मामले से जुड़े कुछ अधिकारियों ने नाम उजागर न करने की शर्त पर कहा कि आखिरी निर्णय मस्जिद की सुरक्षा में लगी एजेंसियों की सिफारिशों के बाद लिया जाएगा। इजरायली कैबिनेट की रविवार को मीटिंग हुई थी, जिसमें इस बात पर मंथन हुआ कि कैसे अल अक्सा मस्जिद में एंट्री से अरबों को जाने से रोका जाए। इजरायल की ओर से पहले ही मस्जिद में एंट्री को लेकर कुछ पाबंदियां लगाई गई हैं। वहीं इजरायल के एक अरब मूल के सांसद वलीद अल्हवाशला ने सोशल मीडिया पर कहा कि यदि पाबंदियां लगाई गईं तो फिर यह आग में घी डालने जैसा फैसला होगा। मुस्लिम मान्यता के अनुसार अल अक्सा मस्जिद ही वह जगह है, जहां से पैगंबर मुहम्मद जन्नत गए थे।

इस मस्जिद में हर दिन हजारों मुस्लिम आते हैं और रमजान के महीने में तो आंकड़ा कहीं ज्यादा हो जाता है। हालांकि यह परिसर संवेदनशील रहा है और अकसर यहां अरबों एवं यहूदियों के बीच झड़पें होती रही हैं।आमतौर पर रमजान के महीने में पाबंदियां काफी हद तक हटा ली जाती हैं, लेकिन इस बार उलटे इजाफा ही हो सकता है। गाजा में युद्ध की शुरुआत होने के बाद से ही इजरायल ने यहां पाबंदियां थोड़ी बढ़ा दी हैं। माना जा रहा था कि 10 मार्च से शुरू होने वाले रमजान के महीने में पाबंदियां कुछ कम कर ली जाएंगी, लेकिन उससे उलट ही फैसला लेते हुए इजरायल सरकार इनमें इजाफा करने जा रही है। इजरायली सेना के पूर्व अफसर डान हारेल ने कहा कि ऐसा कदम उठाना मूर्खता होगा। उन्होंने कहा कि इससे तो पूरे मुस्लिम वर्ल्ड में ही एक उबाल पैदा होगा।

ब्राजील के राष्ट्रपति पर भड़का इजराइल, हदें पार कर दी , बाजील ने गाजा में चल रहे युद्ध को नरसंहार बताया

गाजा। इजरायली सेना ने नासेर अस्पताल में इलाज बंद करा दिया है। डॉक्टरों को अंदर जाने नहीं दिया जा रहा है। डब्ल्यूएचओ ने इसकी जानकारी देकर कहा कि पिछले हफ्ते इजरायली सेना ने अस्पताल पर रेड डालकर कामकाज ठप कर दिया था। दरअसल सैन्य ऑपरेशन के दौरान इजरायल ने सैकड़ों आतंकवादियों को पकड़ने का दावा किया है। आईडीएफ का कहना है कि पकड़े गए आतंकी मेडिकल स्टाफ के वेश में अस्पताल में छुपे हुए थे। उन्होंने वहां के मेडिकल रिसोर्सेस पर कब्जा कर रखा था। इजरायली सेना को हमासा द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को दिए जानी वाली खास दवाएं भी मिली है। इसके साथ ही अस्पताल से बड़ी संख्या में हथियार और गोला बारूद भी मिले हैं। अस्पताल में करीब 200 मरीज भर्ती हैं। इसमें 20 से ज्यादा लोगों की हालत बहुत गंभीर है। उनके इलाज का संकट है। इजरायली सेना ने वीडियो जारी कर दावा किया है कि नासेर अस्पताल में कार मिली है, जो 7 अक्टूबर को हमास के हमले में इस्तेमाल हुई थी। इस गाड़ी में अभी कई इसतरह सामान मौजूद हैं, जो कि उस हमले से जुड़े हुए हैं। वहीं रफा में हुई हवाई हमले में कई लोगों की जान चली गई है। रविवार को हुए हमले में 6 लोगों की मौत हो गई। इसमें तीन बच्चे और एक महिला शामिल हैं। इजरायल पर संघर्ष विराम के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बढता ही जा रहा है। अरब और अफ्रीका के ज्यादातर देशों के बाद अब लैटिन अमेरिका के सबसे बड़े देश ब्राजील ने भी इजरायल से तुरंत गाजा में युद्ध रोकने की अपील की है। इसके साथ ही ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने गाजा में जारी इजरायली ऑपरेशन की तुलना होलोकॉस्ट से की है। होलोकॉस्ट, यहूदियों के नरसंहार को कहा जाता है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डि सिल्वा ने कहा कि इजरायल गाजा पट्टी में युद्ध नहीं कर रहा बल्कि फिलिस्तीनी नागरिकों का नरसंहार कर रहा है। इजरायल ने ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डि सिल्वा के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लूला के बयान को शर्मनाक और चिंताजनक बताया है। साथ ही कहा कि ब्राजील के राष्ट्रपति ने सारी हदें पार कर ली है।

अबु धाबी के मंदिर की नींव भरी गई कोयले की राख

- प्राचीन वास्तुकला विधियों का उपयोग करके बनाया गया

अबू धाबी (एजेंसी)। अबू धाबी में बने पहले हिंदू मंदिर की नींव में कोयले की राख को भरा गया है। इस भव्य मंदिर को वैज्ञानिक तकनीकों और प्राचीन वास्तुकला विधियों का उपयोग करके बनाया गया है। बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा निर्मित यह हिंदू मंदिर करीब 27 एकड़ जमीन पर बनाया गया है। इस मंदिर में तापमान मापने और भूकंपीय गतिविधि पर नजर रखने के लिए उच्च तकनीक वाले 300 से अधिक सेंसर लगाए गए हैं। मंदिर के निर्माण में किसी भी धातु का उपयोग नहीं किया गया है और नींव को भरने के लिए उड़न राख यानी 'फ्लाई ऐश' (कोयला आधारित बिजली संयंत्रों से निकलने वाली राख) का उपयोग किया गया है। इस मंदिर को करीब 700 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। मंदिर प्राधिकारियों के अनुसार, इस भव्य मंदिर को 'शिल्प' और 'स्थापत्य शास्त्रों' में वर्णित निर्माण की प्राचीन शैली के अनुसार बनाया गया है।

'शिल्प' और 'स्थापत्य शास्त्र' ऐसे हिंदू ग्रंथ हैं, जो मंदिर के डिजाइन और निर्माण की कला का वर्णन करते हैं। बीएपीएस के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रमुख स्वामी ब्रह्मविहरिदास ने कहा, 'इसमें वास्तुशिल्प पद्धतियों के साथ वैज्ञानिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। तापमान, दबाव और गति (भूकंपीय गतिविधि) को मापने के लिए मंदिर के हर स्तर पर उच्च तकनीक वाले 300 से अधिक सेंसर लगाए गए हैं। सेंसर अनुसंधान के लिए लाइव डेटा प्रदान करेंगे। यदि क्षेत्र में कोई भूकंप आता है, तो मंदिर इसका पता लगा लेगा।' मंदिर के निर्माण प्रबंधक मधुसूदन पटेल ने कहा, 'हमने मंदिर में गर्मी प्रतिरोधी नैनो टाइल और भारी ग्लास पैनल का उपयोग किया है जो पारंपरिक सौंदर्यात्मक पत्थर संरचनाओं और आधुनिक कार्यक्षमता का मेल है।

संयुक्त अरब अमीरात में अत्यधिक तापमान के बावजूद श्रद्धालुओं को गर्मी में भी इन टाइल पर चलने में दिक्कत नहीं होगी। मंदिर में अलौह सामग्री का भी प्रयोग किया गया है।÷मंदिर के दोनों ओर गंगा और यमुना का पवित्र जल बह रहा है जिसे बड़े-बड़े कंटेनर में भारत से लाया गया है। मंदिर प्राधिकारियों के अनुसार, जिस ओर गंगा का जल बहता है वहां पर एक घाट के आकार का एम्फीथिएटर बनाया गया है। मंदिर के अग्रभाग पर बलुआ पत्थर पर उत्कीर्ण संगमरमर की नक्काशी है, जिसे राजस्थान और गुजरात के कुशल कारीगरों द्वारा 25,000 से अधिक पत्थर के टुकड़ों से तैयार किया गया है। मंदिर के लिए उत्तरी राजस्थान से अच्छी-खासी संख्या में गुलाबी बलुआ पत्थर अबू धाबी लाया गया है। मंदिर स्थल पर खरीद और सामान की देखरेख करने वाले विशाल ब्रह्मभट्ट ने 'पीटीआई' को बताया कि मंदिर के निर्माण के लिए 700 से अधिक कंटेनर में दो लाख घन फुट से अधिक 'पवित्र' पत्थर लाया गया है। इस मंदिर का निर्माण कार्य 2019 से जारी है। मंदिर के लिए जमीन संयुक्त अरब अमीरात ने दान में दी है। संयुक्त अरब अमीरात में तीन और हिंदू मंदिर हैं जो दुबई में स्थित हैं।

संपादकीय

संगीत होता है धर्मातीत

कहते है संगीत की एक ही भाषा होती है ,बस, एक ही परिभाषा होती है। संगीतकार का संगीत के साथ एकाकार हो जाना और उसी की सुर-लय-ताल में खो जाना। आओ हम कुछ गुनगुनाए। बहोत सुन्दर !क्योंकि गायन मेरा पसंदीदा विषय है ओर गाने का मुझे शौक भी है।भले ही गायकी कोई विशेष ना हो लेखन मेरा विशेष हो पर मैने स्वयं अनुभव किया है,जब भी मन उदास हो या किसी बात से विचलित हो या फिर शारीरिक अस्वस्थता आदि - आदि में हो बस गुनगुनाने लग जाता हूँ और कुछ ही समय में मेरे सारे दु:ख दर्द गायब हो जाते हैं वह मन इतना आनंदित हो जाता है कि गुनगुनाते हुए आनंद की लहरो पर उमड़ते मेरे भाव कब एक गीत मे परिवर्तित हो जाते हैं उसका पता ही नही चलता ओर तब मन को जो खुशी प्राप्त होती है उसे शब्दों में बताया नही जा सकता बल्कि उसे महसूस किया जा सकता हैं तो जब भी मन करे,हम गाये ,गुनगुनाए ओर अपने साथ वाले व वातावरण को खुशनुमा बनाए ।कहते है की हमारी जुबा ही नहीं,चमकती आँखें भी गुनगुनाती है जब अन्तर मन मे आनन्द की तरगें हिलोरें खाती है।अबोध बच्चे की मुस्कान ही तो है संगीत की मस्त मस्ती जो स्वाभाविक,नैसर्गिक खुशी की परिभाषा दर्शाती है , आनन्दित बनकर जो अपने दिल से गाता है, गुनगुनाता है, उसका मन खुशियों के मधुर स्वाद से भर जाता है । इसलिये जब कभी तुम्हारा मन हो जाए निराश और उदास तो सीख जाओ भरना उसमें संगीत की सुखद सुवास और मन का मधुरिम मीठास क्योंकि संगीत का कोई धर्म नहीं होता कोई मजहब नहीं होता और अलग-अलग मजहब में सुर-लय- ताल का भी अलग-अलग मतलब नहीं होता।इसलिये उसी को संगीत कहते हैं उसी को वास्तव में संगीतमय गीत कहते हैं।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
वृषभ	पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
मिथुन	सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।
कर्क	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
सिंह	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
तुला	राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
वृश्चिक	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
कुम्भ	व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

मातृभाषा ने निभाई थी स्वतंत्रता आंदोलन में अहम भूमिका!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

(मातृ भाषा दिवस पर विशेष)

जिस स्थान पर जन्म होता है वहां की भाषा को यदि माता-पिता ने आत्मसात किया हुआ हो या फिर वह भाषा जो माता -पिता के आपसी व्यवहार की भाषा है ,उसे ही भाषा मातृ भाषा कहते है।मातृभाषा कोई भी हो,उसे बोलना व लिखना बेहद सहज होता है।चूंकि मेरी मातृभाषा हिंदी है,हिंदी में भी खड़ी बोली जिसे कौरवी रूप में भी जानते है,जो मूल रूप से पश्चिमी उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के मैदानी क्षेत्र में बोली जाती है। ,यह भाषा मेरे लिए गौरव की बात है।

हिंदी को मात्र भारत की भाषा नही कह सकते।देवनागरी हिंदी भाषा मे अ, आ,इ, ई,ओ,उ,में जो स्वर गूंजते है वही स्वर नवजात शिशु के रुदन से प्रकट होते है।चूंकि दुनिया के सभी शिशुओं के रुदन ध्वनि एक ही प्रकार की है।इसलिए कह सकते है कि हिंदी हर मानव प्राणी की जन्म की भाषा है।किसी भी देश की राष्ट्रभाषा राष्ट्रीय एकता एवं अंतर्राष्ट्रीय संवाद सम्पर्क की आवश्यकता की उपज होती है। राष्ट्र की जनता जब स्थानीय एवं तत्कालिक हितों व पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर अपने राष्ट्र की कई भाषाओं में से किसी एक भाषा को चुनकर उसे राष्ट्रीय अस्मिता का एक आवश्यक उपादान समझने लगती है तो वही भाषा,राष्ट्रभाषा कहलाने लगती है।स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हिंदी स्वाधीनता सेनानियों के सम्पर्क की भाषा रही,तभी तो हिंदी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्रभाषा कहलाई और उसने यह सम्मान प्राप्त भी किया।हालांकि राष्ट्रभाषा शब्द कोई संवैधानिक शब्द नहीं है, बल्कि यह प्रयोगात्मक, व्यावहारिक व जनमान्यता प्राप्त शब्द है।

राष्ट्रभाषा सामाजिक, सांस्कृतिक स्तर पर देश को जोड़ने का काम करती है अर्थात् राष्ट्रभाषा की प्राथमिक शर्त देश में विभिन्न समुदायों के बीच भावनात्मक एकता स्थापित करना है। राष्ट्रभाषा का प्रयोग क्षेत्र विस्तृत और देशव्यापी होता है। राष्ट्रभाषा सारे देश की सम्पर्क-भाषा होती है। जिसका व्यापक जनाधार होता है। राष्ट्रभाषा हमेशा स्वभाषा ही हो सकती है क्योंकि उसी के साथ जनता का भावनात्मक लगाव होता है। राष्ट्रभाषा का स्वरूप लचीला होता है और इसे जनता के अनुरूप किसी रूप में ढाला जा सकता है। हिंदी देश में जन-जन के पारस्परिक सम्पर्क की भाषा रही है। यह केवल उत्तरी भारत की नहीं, बल्कि दक्षिण भारत के आचार्यों वल्लभाचार्य, रामानुज, रामानंद ,शंकराचार्य आदि ने भी इसी भाषा के माध्यम से अपने मतों का प्रचार किया था। अहिंदी भाषी राज्यों के भक्त-संत कवियों जैसे—असम के शंकरदेव, महाराष्ट्र के ज्ञानेश्वर व नामदेव, गुजरात के नरसी मेहता, बंगाल के चैतन्य आदि ने इसी भाषा को अपने धर्म और साहित्य का माध्यम बनाया था।

जब फ़ारसी या अंग्रेज़ी के माध्यम से परेशानी हुई तो अंग्रेजों ने फ़ोर्ट विलियम कॉलेज में हिंदी विभाग खोलकर अधिकारियों को हिंदी सिखाने की व्यवस्था की। यहाँ से हिंदी पढ़े हुए अधिकारियों ने भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में उसका प्रत्यक्ष लाभ देकर मुक्त कंठ से हिंदी को सराहा। सी. टी. मेटकाफ़ ने 1806 ई. में अपने गुरु जॉन गिलक्राइस्ट को लिखा— भारत के जिस भाग में भी मुझे काम करना पड़ा है, कलकत्ता से लेकर लाहौर तक, कुमाऊँ के पहाड़ों से लेकर नर्मदा नदी तक मैंने उस भाषा का आम व्यवहार देखा है, जिसकी शिक्षा आपने मुझे दी है। मैं कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक या जावा से सिंधु तक इस विश्वास से यात्रा करने की हिम्मत कर सकता हूँ कि मुझे हर जगह ऐसे लोग मिल जाएँगे जो हिन्दुस्तानी बोल लेते होंगे।

टॉमस रोबक ने 1807 ई. में लिखा— जैसे इंग्लैण्ड जाने वाले को लैटिन सेक्सन या फ़्रेंच के बदले अंग्रेज़ी सीखनी चाहिए, वैसे ही भारत आने वाले को अरबी-फ़ारसी या संस्कृत के बदले हिन्दुस्तानी यानि हिंदी सीखनी चाहिए।

विलियम केरी ने 1816 ई. में लिखा— हिंदी किसी एक प्रदेश की भाषा नहीं बल्कि देश में सर्वत्र बोली जाने वाली भाषा है।

एच. टी. कोलब्रुक ने लिखा— जिस भाषा का व्यवहार भारत के प्रत्येक प्रान्त के लोग करते हैं, जो पढ़े-लिखे तथा अनपढ़ दोनों की साधारण बोलचाल की भाषा है, जिसको प्रत्येक गाँव में थोड़े बहुत लोग अवश्य ही समझ लेते हैं, उसी का यथार्थ नाम हिंदी है।

जार्ज ग्रियर्सन ने हिंदी को आम बोलचाल की महाभाषा कहा है।

हिंदी की व्यावहारिक उपयोगिता, देशव्यापी प्रसार एवं प्रयोगगत लचीलेपन के कारण अंग्रेज़ों ने हिंदी को अपनाया। उस समय हिंदी और उर्दू को एक ही भाषा माना जाता था। अंग्रेज़ों ने हिंदी को प्रयोग में लाकर हिंदी की महती संभावनाओं की ओर राष्ट्रीय नेताओं एवं साहित्यकारों का ध्यान खींचा था। ब्रह्म समाज के संस्थापक राजा राममोहन राय ने सन 1828 में कहा, इस समग्र देश की एकता के लिए हिंदी अनिवार्य है। ब्रह्मसमाजी केशव चंद्र सेन ने 1875 ई. में एक लेख लिखा, भारतीय एकता कैसे हो, जिसमें उन्होंने लिखा— उपाय है सारे, भारत में एक ही भाषा का व्यवहार। अभी जितनी भाषाएँ भारत में प्रचलित हैं, उनमें हिंदी भाषा लगभग सभी जगह प्रचलित है। यह हिंदी अगर भारतवर्ष की एकमात्र भाषा बन जाए तो यह काम सहज ही और शीघ्र ही सम्पन्न हो सकता है। एक अन्य ब्रह्मसमाजी नवीन चंद्र राय ने पंजाब में हिंदी के विकास के लिए स्तुत्य योगदान दिया।

आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती गुजराती भाषी थे एवं गुजराती व संस्कृत के अच्छे जानकार थे। हिंदी का उन्हें सिर्फ़ कामचलाऊ ज्ञान था, पर अपनी बात अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने के लिए तथा देश की एकता को मज़बूत करने के लिए उन्होंने अपना सारा धार्मिक साहित्य हिंदी में ही लिखा। उनका कहना था कि हिंदी के द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है। वे इस आर्यभाषा को सर्वात्मना देशोन्नति का मुख्य आधार मानते थे। उन्होंने हिंदी के प्रयोग को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। वे कहते थे, मेरी आँखें उस दिन को देखना चाहती हैं, जब कश्मीर से कन्याकुमारी तक सब भारतीय एक भाषा समझने और बोलने लग जाएँगे।

महर्षि अरविन्द घोष की सलाह थी कि लोग अपनी-अपनी मातृभाषा की रक्षा करते हुए सामान्य भाषा के रूप में हिंदी को ग्रहण करें।

एनी बेसेंट ने कहा था, भारतवर्ष के भिन्न-भिन्न भागों में जो अनेक देशी भाषाएँ बोली जाती हैं, उनमें एक भाषा ऐसी है जिसमें शेष सब भाषाओं की अपेक्षा एक भारी विशेषता है, वह यह कि उसका प्रचार सबसे अधिक है। वह भाषा हिंदी है। हिंदी जानने वाला आदमी सम्पूर्ण भारतवर्ष में यात्रा कर सकता है और उसे हर जगह हिंदी बोलने वाले मिल सकते हैं। भारत के सभी स्कूलों में हिंदी की शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए।

ब्रह्माकुमारी संस्था के संस्थापक ब्रह्मा बाबा ने ईश्वरीय ज्ञान की शुरुआत हिंदी से ही की।परमात्मा शिव की वाणी मुरली मुख्यत: हिंदी में ही प्रसारित होती है।

राष्ट्रीय स्तर पर संवाद स्थापित करने के लिए हिंदी आवश्यक है। हिंदी बहुसंख्यक जन की भाषा है, एक प्रान्त के लोग दूसरे प्रान्त के लोगों से सिर्फ़ इस भाषा में ही विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं। भावी राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी को बढ़ाने का कार्य समाज सुधारकों ने किया।

सन 1885 ई. में स्थापित कांग्रेस का राष्ट्रीय आंदोलन जैसे जैसे ज़ोर पकड़ता गया, वैसे-वैसे राष्ट्रीयता, राष्ट्रीय झण्डा एवं राष्ट्रभाषा के प्रति आग्रह बढ़ता ही गया।1917 ई. में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने कहा, यद्यपि मैं उन लोगों में से हूँ, जो चाहते हैं और जिनका विचार है कि हिंदी ही भारत की राष्ट्रभाषा हो सकती है। तिलक ने भारतवासियों से आग्रह किया कि वे हिंदी सीखें।

महात्मा गाँधी राष्ट्र के लिए राष्ट्रभाषा को नितांत आवश्यक मानते थे। उनका कहना था, राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है। गाँधीजी हिंदी के प्रश्न को स्वराज का प्रश्न मानते थे— हिंदी का प्रश्न स्वराज्य का प्रश्न है। उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में सामने रखकर भाषा-समस्या पर गम्भीरता से विचार किया। 1917 ई. में भड़ौंच में आयोजित गुजरात शिक्षा परिषद के अधिवेशन में सभापति पद से भाषण देते हुए गाँधीजी ने कहा, राष्ट्रभाषा के लिए 5 लक्षण या शर्ते होनी चाहिए—अमलदारों के लिए वह भाषा सरल होनी चाहिए।

यह ज़रूरी है कि भारतवर्ष के बहुत से लोग उस भाषा को बोलते हों।

उस भाषा के द्वारा भारतवर्ष का अपनी धार्मिक, आर्थिक और राजनीतिक व्यवहार होना चाहिए।

राष्ट्र के लिए वह भाषा आसान होनी चाहिए।

उस भाषा का विचार करते समय किसी क्षणिक या अल्पस्थायी स्थिति पर ज़ोर नहीं देना चाहिए। वर्ष 1918 ई. में हिंदी साहित्य सम्मेलन के इन्दौर अधिवेशन में सभापति पद से भाषण देते हुए गाँधी जी ने राष्ट्रभाषा हिंदी का समर्थन किया, मेरा यह मत है कि हिंदी ही हिन्दुस्तान की राष्ट्रभाषा हो सकती है और होनी चाहिए। इसी अधिवेशन में यह प्रस्ताव पारित किया गया कि प्रतिवर्ष 6 दक्षिण भारतीय युवक हिंदी सीखने के लिए प्रयाग भेजें जाएँ और 6 उत्तर भारतीय युवक को दक्षिण भाषाएँ सीखने तथा हिंदी का प्रसार करने के लिए दक्षिण भारत में भेजा जाए। इन्दौर सम्मेलन के बाद उन्होंने हिंदी के कार्य को राष्ट्रीय व्रत बना दिया। दक्षिण में प्रथम हिंदी प्रचारक के रूप में गाँधीजी ने अपने सबसे छोटे पुत्र देवदास गाँधी को दक्षिण में चेन्नई भेजा। गाँधीजी की प्रेरणा से मद्रास में सन 1927 ई. में एवं वर्धा में सन 1936 ई. में राष्ट्रभाषा प्रचार सभाएँ स्थापित की गईं।

वर्ष 1925 ई. में कांग्रेस के कानपुर अधिवेशन में गाँधीजी की प्रेरणा से यह प्रस्ताव पारित हुआ कि कांग्रेस का, कांग्रेस की महासमिति का और कार्यकारिणी समिति का काम-काज आमतौर पर हिंदी में चलाया जाएगा। इस प्रस्ताव में हिंदी-आंदोलन को बड़ा बल मिला।

वर्ष 1927 ई. में गाँधीजी ने लिखा, वास्तव में ये अंग्रेज़ी में बोलने वाले नेता हैं, जो आम जनता में हमारा काम जल्दी आगे बढ़ने नहीं देते। वे हिंदी सीखने से इंकार करते हैं, जबकि हिंदी द्रविड़ प्रदेश में भी तीन महीने के अन्दर सीखी जा सकती है।

आखिर क्या हो पारदर्शी चंदे का विकल्प

चुनावी बॉन्ड पर रोक/ उमेश चतुर्वेदी

पांच साल पहले जिस चुनावी बॉन्ड को चुनावी फंडिंग में पारदर्शिता लाने और चुनावों में कालाधन के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए लाया गया था, देश की सबसे बड़ी अदालत ने उसे अवैधानिक घोषित करते हुए उस पर रोक लगा दी है। दरअसल, चुनावी बॉन्ड के विरोधियों को उसे लेकर सबसे बड़ी आपत्ति यह थी कि बॉन्ड के जरिए राजनीतिक दलों को दान देने वाले लोगों के नाम का खुलासा नहीं हो रहा था। वैसे चुनावी बॉन्ड की अधिसूचना इसके लिए दानदाता को अपनी गोपनीयता की सहूलियत देती थी। चुनावी बॉन्ड को देने वाले का नाम सूचना के अधिकार के दायरे से भी बाहर था। ऐसे में आरोप लगता था कि चुनावी बॉन्ड के जरिए राजनीतिक दलों को चंदा देने वाले राजनीतिक दल दरअसल बॉन्ड के रूप में रिश्वत दे रहे हैं और अपने कारोबारी या औद्योगिक हितों के लिहाज से बदले में सत्ताधारी दल से सहूलियती नीतियां बनवा रहे हैं। गांधीजी ने स्वाधीनता आंदोलन के दौरान आम लोगों से चंदा लेने की शुरुआत की। हालांकि, उस दौर में भी बिरला और बजाज जैसे औद्योगिक घराने कांग्रेस के बड़े दानदाता थे। लेकिन आम लोगों से चंदा लेने के पीछे भावना यह थी कि लोग इसके जरिए आंदोलन से तो जुड़ेंगे ही, उनका नैतिक दबाव आंदोलन कर रही कांग्रेस पर भी रहेगा। इसलिए वह लोकविरोधी फैसले नहीं ले पाएगी। आजादी के बाद भी राजनीतिक दल आम लोगों के जरिए ही धन जुटाते थे। लेकिन जैसे-जैसे भारत में औद्योगीकरण बढ़ता गया, औद्योगिक घराने भी चुनावी चंदा देने में आगे रहने लगे। निश्चित तौर पर इसका सबसे ज्यादा फायदा सत्ताधारी दलों को ही हुआ। एक दौर में कांग्रेस को सबसे ज्यादा चुनावी चंदा मिलता रहा। कहा गया कि इसके जरिए सबसे ज्यादा दान भाजपा को मिला है। इसे आजादी के बाद से ही जारी परिपाटी का विस्तार कहा जा सकता है। 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' के मुताबिक विगत पांच वर्षों में चुनावी बॉन्ड के जरिए सबसे ज्यादा 6566 करोड़ का दान भाजपा को मिला है। दूसरे नंबर पर कांग्रेस है, जिसे एक हजार 123 करोड़ का दान मिला। तीसरे नंबर पर तृणमूल कांग्रेस है, जिसे एक हजार 93 करोड़ की रकम मिली। वहीं 774 करोड़ रुपये बीजू जनता दल व डीएमके को 617 करोड़ मिले हैं। जाहिर है कि जिसके पास जितनी सत्ता है, उसी अनुपात में उसे चंदा मिला है। निस्संदेह, चुनावी परिदृश्य में राजनीति शाहखर्ची का पेशा हो गया है। अकूत धन के बिना चुनाव लड़ना और राजनीतिक दल चलाना आसान नहीं है। शायद इसीलिए अब चुनावी प्रचार अभियान के लिए मीडिया ने कार्पोरेट बांबिंग का विशेषण दिया है। जाहिर है कि यह खर्च कारोबारी और औद्योगिक घरानों से ही आ सकता है। आम लोग से मिलने वाले के चंदे या दान से राजनीति करना आज के दौर में मुश्किल है। यही वजह है कि चुनावों में काले धन का इस्तेमाल बढ़ा। चुनाव आयोग की तमाम सख्ती के बावजूद अब भी चुनावों में काले धन का भरपूर इस्तेमाल होता है। जाहिर है कि जो चुनावी चंदा देगा, वह अपने हित की बात तो करेगा ही। चुनावी बॉन्ड को खारिज किए जाने के बाद गैर-भाजपा दलों ने भाजपा को कटघरे में खड़े करने की कोशिश जरूर की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या उनके हाथ पाक साफ हैं? सवाल यह भी है कि क्या वे अगर भाजपा की तरह प्रभावी होते और सत्ता में उनकी हनक होती तो क्या वे आम लोगों के चंदे के आधार पर ही अपनी राजनीति करते? अक्सर चुनावों की फंडिंग में अवैध धन के इस्तेमाल का आरोप लगता रहा है। इसे ही ट्रांसपरेंट बनाने के लिए साल 2017 में मोदी सरकार ने चुनावी बॉन्ड जारी करने का फैसला किया था। लेकिन इस योजना को 14 सितंबर, 2017 को सुप्रीम कोर्ट में चुनाव सुधारों की दिशा में काम करने वाले संगठन 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' ने सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी। इस याचिका पर तीन अक्तूबर, 2017 को देश की सबसे बड़ी अदालत ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। इसी दिन जया ठाकुर और सीपीआई एम ने भी इस याचिका में खुद को शामिल करने की अर्जी लगाई। इसी बीच 2 जनवरी, 2018 को केंद्र सरकार ने इस योजना को अधिसूचित करके लागू कर दिया। शुरू में बॉन्ड की बिक्री के लिए 70 दिनों की मियाद रखी गई थी। जिसे 7 नवंबर, 2022 को बढ़ाकर 85 दिन कर दिया गया। इस बीच 16 अक्तूबर, 2023 को मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने इस याचिका को पांच सदस्यीय संविधान पीठ को सुनवाई के लिए भेजा। इसके पंद्रह दिन बाद पीठ ने याचिका की सुनवाई की। लगातार तीन दिनों की सुनवाई के बाद दो नवंबर, 2023 को पीठ ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया और 15 फरवरी, 2024 को अपना फैसला सुनाया। फैसले में चुनावी बॉन्ड को सर्वोच्च अदालत ने अवैधानिक घोषित करते हुए उस पर रोक लगा दी। चुनाव आयोग ने कहा है कि इस योजना के जरिए राजनीति और धन के बीच सांठगांठ को बढ़ावा मिलता है। देखने की बात यह है कि आर्थिक उदारीकरण के दौर में जिस तरह जीवन के हर क्षेत्र पर पैसे का बोलबाला बढ़ा है, उसकी वजह से पैसे के राजनीतिक इस्तेमाल और राजनीति पर पैसे का प्रभाव जरूरी बुराई बन चुका है। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों को देखिए। वहां ताकतवर उम्मीदवार वही माना जाता है, जिसे सबसे ज्यादा चंदा मिलता है। चंदा वहां आम वोटर और समर्थक भी देते हैं, लेकिन चंदे का बड़ा हिस्सा कार्पोरेट घराने ही देते हैं। जिसे ज्यादा पैसा मिलता है, उसे ही चुनावी दौड़ में आगे माना जाता है। इसके उलट इस प्रक्रिया को इस तरह भी समझ सकते हैं कि जो जीत रहा होता है, उसे ही सबसे ज्यादा दान मिलता है। चुनावी बॉन्ड पर सर्वोच्च न्यायालय भले ही रोक लगा दे, गैर-भाजपा दल भाजपा की चाहे जितनी भी आलोचना कर लें। लेकिन यह तय है कि चुनावी रण के खर्च के लिए अपने तईं पैसे जुटाने की कोई और राह जरूर चुन लेंगे।

विचार मंथन

राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा गलत टाइमिंग या कांग्रेस की सफाई

(लेखक- सनत जैन)

लोकसभा चुनाव के ठीक पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जब चुनाव की तैयारी करनी थी उसी समय वह भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले हुए हैं। वर्तमान में कांग्रेस से नेताओं की भगदड़ जिस तरह से मची हुई है, इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है, इंडिया गठबंधन के कुछ राजनीतिक दलों ने स्वयं चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है, इस स्थिति को देखते हुए अब राजनीतिक हल्कों में यह चर्चा होने लगी है, कि राहुल गांधी क्या रणछोड़ दास बने हुए हैं? अभी तो उनकी जरूरत इंडिया गठबंधन को मजबूत करने के लिए थी, लेकिन उसी समय वह भारत जोड़ो न्याय यात्रा मैं शिरकत कर रहे हैं। यह माना जा रहा है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एक परिपक्व राजनेता हैं। इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों के साथ बातचीत करने और सीटों के बंटवारे को लेकर वह अपना काम अच्छे तरीके से कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं की पार्टी बन गई थी, कांग्रेस के क्षेत्रीय नेताओं की जनता से दूरियां बढ़ गईं थीं। संगठन भी बहुत कमजोर हो गया था। संगठन की बागडोर क्षेत्रीय नेताओं के हाथ में चली गई थी। लोकसभा चुनाव से पहले सुनियोजित रणनीति के तहत राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा और अब भारत जोड़ो न्याय यात्रा के जरिए सीधे जनता तक अपनी पहुंच बना रहे हैं। संगठन को मजबूत करने के लिए युवाओं को कांग्रेस की ओर आकर्षित कर रहे हैं। महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दे पर लोगों को बिना किसी डर और भय के अपनी लड़ाई लड़ने का आव्हान कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की यात्रा के दौरान जिस तरह से उन्होंने आम जनता को वोटों की ताकत बताकर यह एहसास कराने की कोशिश की है कि आप कितने भी धरने-प्रदर्शन कर लें सरकार आपकी सुनती ही नहीं है। वोटों की ताकत को समझो, वर्तमान सरकार की तानाशाही तभी खत्म होगी जब आम आदमी जाग जाएगा। उन्होंने आम मतदाताओं को बब्बर शेर की संज्ञा देते हुए कहा है कि आप बब्बर शेर होते हुए भी सो रहे हैं। इसलिए आप महंगाई, बेरोजगारी और भुखमरी के शिकार हो रहे हैं। जिस दिन आप जाग जाएंगे, आपको जिंदगी जीने का एक नया रास्ता मिल जाएगा।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार राहुल गांधी सुनियोजित रणनीति के तहत मतदाताओं के साथ सीधा संवाद करके मतदाताओं का रुझान कांग्रेस की ओर मोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस के बारे में पिछले 10 वर्षों से यह कहा जा रहा है कि कांग्रेस पूरी तरह से नेपथ्य में चली गई है। कांग्रेस के नेता कांग्रेस छोड़कर भाग रहे हैं। ऐसी स्थिति में राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा व न्याय यात्रा के दोनों चरण से आम जनमानस के बीच कांग्रेस की छवि को मजबूत बनाने में लगे हुए हैं। गौर करने वाली बात तो यह भी है कि लोकसभा चुनाव में करीब 280 सीटों पर कांग्रेस या तो चुनाव जीती या दूसरे स्थान पर रही है। यह मजबूती इसलिए है क्योंकि राहुल गांधी मतदाताओं को कांग्रेस से जोड़ने की रणनीति को ध्यान में रखते हुए आम जनता के मन में यह विश्वास जगाने की कोशिश कर रहे हैं कि वह ही नरेंद्र मोदी का मुकाबला करने में सक्षम हैं। राहुल गांधी एक मात्र भारत के ऐसे नेता हैं जो नरेंद्र मोदी और भाजपा पर सीधे निशाना साध रहे हैं। उनमें कोई डर और भय नहीं है। जबकि सारे राजनीतिक दलों के नेता ईडी, सीबीआई, आयकर की डर से यहां-वहां बचते फिर रहे हैं। कांग्रेस के भ्रष्ट नेताओं को भाजपा खुद ही अपने पाले में ले जा रही है। कांग्रेस को खुद से कोई सफाई भी नहीं करनी पड़ रही है। अपने आप ही कांग्रेस में सफाई हो रही है। नया नेतृत्व अपनी जगह बना रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि इसका असर मतदाताओं के बीच में अच्छा पड़ रहा है।

ऐसे में अब कांग्रेस के सिंबल से जो भी चुनाव लड़ेगा उसको उसका फायदा जरुर मिलेगा। वैसे भी कांग्रेस के जो छत्रप थे उन्होंने कांग्रेस संगठन को पूरी तरह से कमजोर करके रखा था। आम जनता के बीच में भी उनकी ऐसी कोई छवि नहीं थी कि वे अपने दम पर किसी को चुनाव जिता सकें। जो मतदाता चुनाव जिता सकते हैं राहुल गांधी उन तक पहुंचने की कोशिश भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से कर रहे हैं। दक्षिण पूर्व और उत्तर भारत के राज्यों में उनकी इस यात्रा का असर भी देखने को मिल रहा है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में भी बड़ी संख्या में लोग उनके समर्थन में आगे आ रहे हैं। जहां कांग्रेस का एक भी सांसद या विधायक नहीं था, कांग्रेस संगठन भी मजबूत नहीं था, उसके बाद भी हजारों की संख्या में भीड़ का उमड़ना इस बात का संकेत है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की टाइमिंग कांग्रेस के लिए सही है।

रिटेल सैक्टर में बनाएं करियर

एक अनुमान के अनुसार आगामी वर्षों में एक करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार रिटेल सैक्टर में ही मिलेगा जो वर्तमान में कार्यरत लाखों खुदरा विक्रेताओं के अलावा संगठित क्षेत्र में विकसित हो रहे डिपार्टमैंटल स्टोर्स, कंवीनिएंट स्टोर्स, मॉल्स, ई-रिटेलर्स, डिस्काऊंट स्टोर्स, वैंडिंग मशीनों, स्पैशलिस्ट स्टोर्स आदि में पैदा होंगे जहां प्रशिक्षित युवाओं की जरूरत आने वाले समय में बेहद तेजी से बढने़ की संभावना है।

कार्यक्षेत्र

रिटेल का अर्थ है ग्राहक तक उत्पादक पहुंचाना। रिटेल मैनेजमैंट में ग्राहकों तक सीधे संपर्क स्थापित करना, उनकी जरूरतों को ध्यान में रख कर सही उत्पाद उन तक पहुंचाना ज्यादा महत्वपूर्ण है। रिटेल इंडस्ट्री में दुकान, फास्ट फूड चेन, सुपर मार्कीट, डिपार्टमैंटल स्टोर्स, मॉल इत्यादि का समावेश होता है। इन जगहों पर बाइंग, मर्चेंडाइजिंग, ऑनलाइन रिटेलिंग में सेल्स मैनेजर, ट्रेनी, रिटेल सेल्स, एक्जीक्यूटिव, रिटेल सेल्स रिप्रेजैंटेटिव, सेल्स मैनेजर, मैनेजमैंट ट्रेनर बन सकते हैं।

इसके अलावा रिटेल का कोर्स करने वाले सार्मथ्यवान युवा अपना वैंचर या आऊटलैट भी खोल सकते हैं। इस सैक्टर में प्रशिक्षित तथा गैर-प्रशिक्षित दोनों तरह के लोगों के लिए पार्टटाइम और फुलटाइम नौकरी के ढेरों विकल्प मौजूद हैं। महानगरों से लेकर छोटे-छोटे शहरों, कस्बों तक फैले मॉल्स, स्टोर्स, रैस्टोरैंट चेन्स, मल्टीब्रांडेड स्टोर्स से लेकर होटल्स आदि में रोजगार पा सकते हैं।

योग्यता

अभी तक अधिकतर एम.बी.ए. प्रोग्राम्स में ही रिटेल मैनेजमैंट के बारे में पढ़ाया जाता था लेकिन कुछ ऐसे भी कोर्सेज हैं, जो इस विषय पर अलग से केंद्रित हैं जैसे सर्टीफिकेट इन रिटेल, डिप्लोमा इन रिटेलिंग, बी.बी.ए. इन रिटेलिंग, पी.जी. प्रोग्राम इन रिटेल एंड मार्कीटिंग, पी.जी. डिप्लोमा इन विजुअल

मर्चेंडाइजिंग एंड स्टोर डिजाइन, एम.बी.ए. इन रिटेल मैनेजमैंट।

ऐसे कोर्सेज में मुख्यत: रिटेल सर्विसेज, मर्चेंडाइजिंग और फैंचाइजी के कार्य सिखाए जाते हैं। इनमें कस्टमर रिलेशन मैनेजमैंट, सेल्स प्रमोशन मैनेजमैंट, सप्लाई चेन मैनेजमैंट, डिस्ट्रीब्यूशन और लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट, इवैंट्री मैनेजमैंट, मार्कीट रिसर्च, बिजनैस कम्युनिकेशन, डायरैक्टर मार्कीटिंग और कंज्यूमर बिहेवियर वगैरह शामिल हैं।

रिटेलिंग संबंधी सर्टीफिकेट या डिप्लोमा कोर्स के लिए किसी भी संकाय से 50 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं पास होना जरूरी है। सर्टीफिकेट कोर्स की अवधि 3 महीने और डिप्लोमा की अवधि 6 महीने से लेकर एक साल होती है। दूसरी तरफ रिटेल में पी.जी. डिप्लोमा और मास्टर डिग्री प्रोग्राम करने के लिए किसी भी संकाय से ग्रैजुएट होना जरूरी है।

रिटेलिंग सैक्टर के कुछ प्रमुख विभाग ग्राहक सेवा विभाग, भंडारण विभाग, निरीक्षण/सुरक्षा, कैश काऊंटर, मॉल प्रशासन, मॉल फ्लर व शेल्फ मैनेजमैंट, मानव विभाग आदि।

कौशल

इस क्षेत्र में उत्तम करियर बनाने की चाहत रखने वाले युवाओं को मेहनती और लगनशील होने के अलावा मृदुभाषी, टीम वर्क में विश्वास रखने वाला, नेतृत्व के गुण, समय प्रबंधन में दक्ष, विविध ग्राहकों के साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार विपरीत स्थितियों में भी बनाए रखने की योग्यता सरीखे गुणों का होना आवश्यक है।

अमूमन रिटेलिंग के कोर्स में मार्कीटिंग रिसर्च, रिटेल सेलिंग, इलैक्ट्रॉनिक रिटेलिंग, मर्चेंडाइजिंग मार्कीटिंग, रिटेल पर्चेजिंग, रिटेल प्राइजिंग, रिटेल ऑर्गेनाइजेशन, रिटेल मैनेजमैंट, कंज्यूमर बिहेवियर, मैनेजमैंट इंफॉर्मेशन सिस्टम, सप्लाई-चेन मैनेजमैंट सिस्टम आदि से संबंधित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ट्रेनिंग दी जाती है।

पारिश्रमिक

रिटेल सेल्स रिप्रजैंटेटिव पद पर करियर की शुरूआत करने वालों को बड़ी कम्पनियों में 8 से 10 हजार, मैनेजमैंट ट्रेनी पद पर 12 से 16 हजार और सेल्स मैनेजर को 15 से 20 हजार रुपए प्रतिमाह मिल सकते हैं। डिपार्टमैंट हैड प्रतिमाह 4 लाख रुपए तक प्राप्त कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- बिट्स पिलानी
- इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली
- बिड़ला इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- वाई.एम.सी.ए., जय सिंह रोड, नई दिल्ली
- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
- एमिटी बिजनैस स्कूल, नोएडा, उत्तर प्रदेश

फार्माकोविजिलेंस भरपूर है स्कोप

साइंस के स्टूडेंट्स के लिए फार्माकोविजिलेंस के फील्ड में करियर की अच्छी संभावनाएं हैं। जानिए कैसे बना सकते हैं करियर..?

अगर बचपन से ही मेडिकल की पढ़ाई का सपना था, लेकिन सफलता नहीं मिली, तो निराश होने की कोई बात नही। अब आपके पास एक ऐसा ऑप्शन है, जो आपके अधूरे सपने को पूरा कर सकता है। यूं तो विज्ञान विषय पढ़ने वाले युवाओं के लिए करियर संभावनाओं की कोई कमी नहीं है। बायोइंफॉर्मेटिक्स के बढ़ने से इस क्षेत्र में युवाओं की मांग भी बढ़ने लगी है। ऐसे में साइंस के स्टूडेंट्स के लिए उभरता हुआ करियर है फार्माकोविजिलेंस।

हालांकि, इस कोर्स को करने के बाद आप एमबीबीएस की डिग्री तो नहीं पा सकेंगे, लेकिन एक डॉक्टर का फर्ज जरूर निभा सकेंगे। दरअसल, दवाइयों से होने वाले किसी भी प्रकार के साइड इफेक्ट की पहचान, आकलन और बचाव के लिए फार्माकोलॉजिकल साइंस की मदद ली जाती है, ताकि दवाइयों को ज्यादा सुरक्षित और उपयोगी बनाया जा सके। फार्माकोविजिलेंस का संबंध दवाइयों की उपलब्धता, डिस्ट्रीब्यूशन, इस्तेमाल और इससे जुड़ी दूसरी समस्याओं से भी है। साथ ही, दवाइयों के इस्तेमाल से जुड़े विपरीत असर को पहचानना, उसकी पुष्टि करना, असर को मापना है, ताकि दवाइयों को ज्यादा सुरक्षित और उपयोगी बनाया जा सके। आज इस फील्ड से जुड़े लोगों के लिए भारत के साथ-साथ विदेश में भी रोजगार का भरपूर मौका है।

कौन हो सकता है सफल

यह फील्ड उन लोगों के लिए बेहतर है, जो दवाइयों के साइड इफेक्ट को पकड़ने में एक्सपर्ट हों। इसके लिए हमेशा मरीजों, चिकित्सकों, दवा विक्रेताओं आदि से संपर्क में रहना पड़ता है। इसके अलावा, उसमें लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजग और सुरक्षित रखने की प्रबल भावना होनी चाहिए।

क्वालिफिकेशन

कम से कम 50 फीसदी अंकों के साथ केमिस्ट्री, बॉटनी, जूलोजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, जेनेटिक्स और बायोटेक से ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट या फार्मेसी और मेडिसिन में ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट होना जरूरी है। आप सर्टिफिकेट इन फार्माकोविजिलेंस, डिप्लोमा इन फार्माकोविजिलेंस जैसे कोर्स कर सकते हैं।

कहां मिलेगी नौकरी

फार्माकोविजिलेंस से संबंधित कोर्स करने के बाद ग्लैक्सो, सन फार्मा, फाइजर, सिप्ला, निकोलस पिरामल जैसी फार्मास्युटिकल कंपनियों में नौकरी मिल सकती है। विदेशी फार्मा कंपनियों में भी इस फील्ड से जुड़े प्रोफेशनल्स की काफी डिमांड है। स्टूडेंट्स को अच्छे पैकेज पर हायर किया जाता है।

सैलरी

इस फील्ड में शुरुआत में 15 से 20 हजार रुपये प्रति माह मिलते हैं। वहीं, कुछ साल का अनुभव हासिल करने के बाद 30 से 40 हजार रुपये प्रतिमाह तक मिल सकते हैं।

फिटनेस इंस्ट्रक्टर सेहत का मास्टर

आजकल लोग फिटनेस के प्रति काफी सजग हो गए हैं। ऐसे में उन लोगों की डिमांड बढ़ गई है, जो फिटनेस की ट्रेनिंग देते हैं.. आज हर शख्स मानसिक और शारीरिक रूप से सेहतमंद रहना चाहता है। इसलिए मेट्रो सिटीज से लेकर छोटे शहरों में भी हेल्थ और फिटनेस सेंटर्स की संख्या दिनों-दिन बढ़ रही है। इसके अलावा, इंडिया में इंटरनेशनल फिटनेस चेन्स के आने से भी ट्रेंड इंस्ट्रक्टर्स की डिमांड बढ़ गई है। ऐसे में

अगर आप भी खुद के साथ दूसरों को फिट रखना चाहते हैं, तो बतौर फिटनेस इंस्ट्रक्टर करियर का आगाज कर सकते हैं।

वर्क प्रोफाइल

फिटनेस इंस्ट्रक्टर अलग-अलग उम्र के लोगों को फिटनेस के विभिन्न पहलुओं के अनुरूप शेप में रहने की ट्रेनिंग देते हैं। इसके तहत पर्सनल लेवल या ग्रुप में लोगों को एक्सरसाइज, योग, एरोबिक्स और मशीनों के जरिए वजन कम करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अलावा अच्छी सेहत, पौष्टिक भोजन, जीवनशैली में बदलाव और सही पॉश्चर के फायदे भी बताए जाते हैं।

क्वालिफिकेशन

फिटनेस इंस्ट्रक्टर बनने के लिए आपको फिजिकल एजुकेशन में डिप्लोमा, ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा, पीएचडी या सर्टिफिकेट कोर्स करना होगा। कोर्स के दौरान फिजिकल एजुकेशन और स्पो?र्ट्स की बेसिक नॉलेज, जिम्नास्टिक, गेम्स थ्योरी, योग एरोबिक्स, किक बॉक्सिंग आदि की ट्रेनिंग दी जाती है।

जॉब प्रॉस्पेक्ट्स

फिटनेस इंस्ट्रक्टर जिम, होटल्स, हेल्थ क्लब्स, फिटनेस क्लब्स , फिटनेस सेंटर्स, स्पा, टूरिस्ट रिजॉर्ट, हाउसिंग सोसायटीज और मल्टीनेशनल कंपनीज में काम कर सकते हैं। स्पो?र्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया भी खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देने के लिए फिटनेस कोच की नियुक्ति करती रहती है।

सबसे अहम बात यह है कि आजकल बड़े-बड़े स्टार्स और सेलिब्रिटीज पर्सनल ट्रेनर नियुक्त करने लगे हैं। इसलिए कोर्स करने के बाद आपके लिए संभावनाओं की कमी नहीं रहेगी। एक बार स्टैब्लिश होने पर नामी ट्रेनर्स तो एक से दो हजार रुपये प्रति घंटे तक फीस लेते हैं। इसके अलावा कॉरपोरेट घरानों या विभिन्न जगहों पर गेस्ट सेशन देकर भी आप कमाई कर सकते हैं।

सावधानी में ही सुरक्षा

जब करियर से लेकर शिक्षा तक के लिए घर से दूर किसी शहर में जाकर अकेले ही रहना पड़े तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है ताकि अकेले रहते हुए आप अपनी सुरक्षा कर सकें तथा परिवार वाले भी आपके बारे में निश्चिंत हो सकें।

- अगर आप पहली बार पढ़ाई, जॉब के इंटरव्यू आदि के लिए घर से दूर जा रही हैं तो बेहतर है कि पेरैंट्स या परिवार के किसी सदस्य को साथ ले जाएं। एकदम से अकेले और वह भी किसी नए शहर में जाना सही नहीं है। यदि आपने वहां लंबे समय तक रहना है तो कुछ दिन मां या किसी अन्य सदस्य को अपने साथ ही रखें।
- यदि आप किसी प्रोग्राम या कांफ्रैंस इत्यादि में भाग लेने अपने किसी दोस्त या सहेली के साथ शहर से बाहर जा रही हैं तो न केवल उस जगह, रुकने के स्थान और पूरा प्रोग्राम ही अपने परिवार को बताएं बल्कि उस दोस्त का पता-ठिकाना एवं फोन नंबर भी घर पर छोड़ कर जाएं।
- किसी पर भी जल्दी भरोसा न करें और न ही किसी अजनबी या कलीग को अपने अकेले रहने या रूटीन की जानकारी दें।
- रूम मेट हो या फिर कोई कलीग, बैस्ट फ्रैंड हो या जानकार, किसी को भी अपना कोई सीक्रेट न बताएं। अपने क्रैडिट कार्ड या ए.टी.एम. कार्ड अथवा बैंक बैलेंस का किसी से भी जिक्र न करें।
- जहां तक संभव हो, रात को बाहर निकलने से परहेज करें।
- होटल में चैक इन करते समय यदि रिसैप्शन पर बैठा रिसैप्शनिस्ट आप का नाम लिखे बिना ही आपको कमरे में जाने को कहे तो ऐसा कतई न करें। उससे कहें कि पहले वह आपका नाम व नंबर अपने रजिस्टर में लिखे।
- होटल के कमरे एवं खिड़कियों के लॉक भी चैक कर लें। यदि आपको कोई खामी नजर आए तो मैनेजर को उसकी जानकारी दें तथा ठीक करवाने को कहें। आप अपना कमरा बदलने के लिए भी उन्हें कह सकती हैं।
- सब कुछ चैक करने के बाद अपने घर पर अपने पहुंचने की, रूम नंबर तथा होटल के नंबर की जानकारी दें जिससे कि आप अनजान जगह पर अकेले होते हुए भी काफी हद तक सेफ रहेंगी।

अब एयरपोट पर लगेज के लिए नहीं करना पड़ेगा इंतजार

- लैंडिंग के 30 मिनट में ही मिलेगा बैगेज

नई दिल्ली। एयरपोर्ट पर यो त्रियों को अब लगेज के लिए इंतज़ार नहीं करना होगा। सामान देरी से मिलने पर यात्रियों को परेशानी होती है। इस पर सरकार ने एक बड़ा फैसला किया है। ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) ने सात भारतीय एयरलाइंस से कहा है कि यात्रियों को उनके रजिस्टर्ड लगेज 10 मिनट से 30 मिनट में मिल जाना चाहिए। बीसीएएस ने एअर इंडिया, इंडिगो, अकासा, स्पाइसजेट, विस्तारा, एअर इंडिया एक्सप्रेस कनेक्ट और एअर इंडिया एक्सप्रेस को ये आदेश जारी किया है। नया नियम 26 फरवरी से लागू हो जाएगा। बीसीएएस ने कहा है कि इसके बाद भी अगर एयरलाइंस आदेश का पालन नहीं करती है तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि बीसीएएस का काम अंतरराष्े ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन के मानकों, कार्य प्रणालियों और भारत के राष्े ट्रीय नागर विमानन सुरक्षा मानकों से जुड़े प्रोटोकॉल्स की निगरानी करना है। साल 1978 में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के अधीन बीसीएएस की स्थापना की गई थी। उस समय फ्लाइट में किडनैपिंग और हिंसा की खबरें सामने आती थीं। इन पर लगाम लगाने के लिए बीसीएएस बनाया गया था। 1987 में इसे बीसीएएस को एक स्वतंत्र निकाय बना दिया गया।

चीन के केंद्रीय बैंक ने बेंचमार्क लेंडिंग रेट में अनुमान से अधिक कटौती की

नई दिल्ली । चीन के केंद्रीय बैंक ने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को बेंचमार्क लेंडिंग रेट में कटौती की। बैंक ऑफ चाइना ने जून के बाद पहली बार दरों में कटौती की घोषणा की है। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने पांच साल के लोन का प्राइम रेट 4.2 फीसदी से घटाकर 3.95 फीसदी कर दिया, जबकि एक साल की एलपीआर, जो कॉर्पोरेट ऋण के लिए एक बेंचमार्क के रूप में कार्य करती है, को 3.45 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा गया था। पांच साल की एलपीआर में आखिरी बार जून में कटौती की गई थी, जबकि एक साल की दर में आखिरी बार अगस्त में कटौती की गई थी। दोनों दरें अब ऐतिहासिक निचले स्तर पर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एलपीआर को 2019 में लाया गया था और तब से इसमें यह सबसे बड़ी कटौती है। एक्सपर्ट्स की मानें तो यह कटौती अनुमान से भी अधिक है। चीन का यह फैसला बाकी दूसरे अहम देशों के विपरीत हैं जहां इनफ्लेशन से लड़ाई में दरों में कटौती की गई है। गौरतलब है कि पिछले महीने बीजिंग ने घोषणा की थी कि वह बैंकों द्वारा रिजर्व में रखी जाने वाली राशि में कटौती करेगा, जिसे रिजर्व आवश्यकता अनुपात (आरआरआर) के रूप में जाना जाता है। चीन की अर्थव्यवस्था कई तरह की विपरीत परिस्थितियों से जूझ रही है और अधिकारी आर्थिक विकास को गति देने के लिए महीनों से संघर्ष कर रहे हैं। एशियाई देश लंबे समय से संपत्ति-क्षेत्र संकट, बढ़ती युवा बेरोजगारी और वैश्विक मंदी का सामना कर रहा है, जिससे चीनी वस्तुओं की मांग में कमी आई है।

अमेजन ने उत्तराखंड में डिलीवरी सेवा शुरू की

चंडीगढ़ । ई-वाणिज्य कंपनी अमेजन ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के सुदूर गांव गजोली में डिलीवरी सेवा शुरू की है। कंपनी के अनुसार वह हिमालय पर्वत श्रृंखला में 4,500 फुट की ऊंचाई पर गजोली स्थित महर्षि आश्रम में पैकेज पहुंचाने वाली पहली और एकमात्र ई-वाणिज्य कंपनी बन गई है। आश्रम क्षेत्र में और उसके आसपास कोई दुकान या डिलीवरी विकल्प नहीं हैं। इस स्थान पर ऑर्डर डिलीवर करना न केवल कठिन है बल्कि इसमें काफी समय भी लगता है। अमेज़न इंडिया के एक अे धिकारी ने कहा` कि पिछले कुछ वर्षों में हमने अपने ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तेज, सुरक्षित व मजबूत नेटवर्क बनाते हुए तथा देश के दूरदराज कोनों तक पहुंच बनाते हुए सभी जगह अपने बुनियादी ढांचे और वितरण प्रौद्योगिकी में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

पेटीएम पेमेंट बैंक मामला, ईडी को जांच में नहीं मिली गड़बड़ी

नई दिल्ली ।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा शुरू की गई संभावित विदेशी मुद्रा उल्लंघन की जांच में किसी तरह की गड़बड़ी का पता नहीं चला है। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पिछले सप्ताह ईडी ने वन 97 कम्युनिकेशंस की इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक द्वारा किए गए वैश्विक ट्रांजेक्शन की जांच करने की घोषणा की थी।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 31 जनवरी को पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर खातों या वॉलेट में नई जमाएं स्वीकार करने पर रोक लगाए जाने के बाद से पेटीएम का शेयर 50 प्रतिशत से ज्यादा टूट गया है। इस संकट से पेटीएम शेयरधारकों को करीब 3.1 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। अधिकारी ने कहा कि जांच में उपयोगकर्ताओं के प्रोफाइल को सत्यापित करने वाले केवाईसी संबंधित नियमों में कुछ खामियों का पता चला। लेकिन प्रवर्तन निदेशालय को पेटीएम पेमेंट्स बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा प्रबंधन संबंधित उल्लंघन का पता नहीं चला है। बैंक द्वारा संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट तैयार नहीं किए जाने के अलावा कुछ अन्य मुद्दे भी थे। प्रवर्तन निदेशालय अभी भी यह पता लगा रहा है कि किसी संभावित उल्लंघन के लिए आरोप लगाए जाएं या नहीं। ईडी ने इस संबंध में फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। पेटीएम का शेयर सोमवार को दूसरे कारोबारी सत्र में 5 प्रतिशत तक चढ़कर बंद हुआ और दो दिनों में इसमें 10 प्रतिशत की तेजी आ चुकी है। पेटीएम पेमेंट्स बैंक को आरबीआई ने अपना परिचालन पहले के समान बरकरार रखने के लिए 15 दिन की मोहलत दी है।

जुनिपर ग्रीन एनर्जी और एनविजन ने की साझेदारी

नई दिल्ली । जुनिपर ग्रीन एनर्जी और एनविजन एनर्जी ने गुजरात में 300 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना के विकास के लिए साझेदारी की है। जिसके अनुसार एनविजन ईएन 156-3.3 एमडब्ल्यू डब्ल्यूटीजी (पवन टरबाइन जनरेटर) की 91 इकाइयों की आपूर्ति करेगा। सभी डब्ल्यूटीजी की स्थापना करेगा, उनको क्रियान्वित करेगा और उनके रखरखाव की देखरेख करेगा। जुनिपर ग्रीन एनर्जी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम इस पवन परियोजना के विकास के लिए एनविजन एनर्जी के साथ सहयोग करके खुश हैं। एनविजन विंड पावर टेक्नोलॉजीज इंडिया के अधिकारी का कहना है कि आत्मनिर्भर भारत दृष्टिकोण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के तहत हम अपने पुणे कारखाने में पवन टरबाइन के लिए नैकेल और हब को असेंबल करेंगे, जबकि टावर तथा ब्लेड स्थानीय स्तर पर प्राप्त किए जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पाइसजेट से कहा- क्रेडिट सुइस को 15 मार्च तक दें बकाया

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने किफायती विमानन कंपनी स्पाइसजेट को क्रेडिट सुइस मामले में 15 मार्च तक सभी बकाया रकम देने को कहा है। अदालत ने कहा कि देरी से भुगतान की कोई गुंजाइश नहीं है। प्रतिवादी का ऐसा कहना उचित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार जो समयसीमा दी गई थी उसे देखते हुए स्पष्ट है कि प्रतिवादी डिफॉल्ट है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पाइसजेट लिमिटेड को 15 मार्च से पहले क्रेडिट सुइस एजी को 1.25 मिलियन डॉलर का भुगतान करने का निर्देश दिया ताकि सुनवाई की अगली तारीख से पहले बकाया का भुगतान सुनिश्चित हो सके। क्रेडिट सुइस की ओर से पेश एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने पीठ को बताया कि 15 फरवरी तक बजट वाहक 12.5 लाख डॉलर का डिफॉल्ट कर चुका था। शीर्ष अदालत ने स्पाइसजेट से कहा कि हम आपको एक लंबी रस्सी दे रहे हैं, इस मामले में कोई जोखिम न लें। स्पाइसजेट ने 12.5 लाख डॉलर के एरियर को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि बकाया राशि का भुगतान देर से ही किया गया है। पीठ ने कहा कि इस मामले में किसी भी तरह के विलंबित भुगतान की गुंजाइश नहीं है। इसलिए क्रेडिट सुइस का यह कहना न्यायोचित है कि राशि का भुगतान नहीं किया गया है। स्पाइसजेट की ओर से गो एयर की अधिग्रहण प्रक्रिया में शामिल होने की पिछले हफ्ते की खबरों का उल्लेख करते हुए अदालत ने सवाल किया कि इतना कुशन उपलब्ध होने के बावजूद, भुगतान क्यों नहीं किया जा रहा। पीठ ने स्पाइसजेट के अध्यक्ष अजय सिंह को निर्देश दिया कि वह मार्च के तीसरे सप्ताह में सुनवाई की अगली तारीख पर अदालत के समक्ष उपस्थित हों।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले खराब संकेतों के बाद भी लिवाली (खरीददारी) हावी रहने से आया है। आज कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक सहित समेत अन्य बैंकिंग शेयरों में तेजी से बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 72,510.24 अंक के निचले और 73,130.69 के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद अंत में 0.48 फीसदी तकरीबन 349.24 अंक बढ़कर 73,057.40 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी सबसे अधिक स्तर पर पहुंचा। निफ़्टी आज 0.34 फीसदी तकरीबन 74.70 अंक ऊपर आकर अपने अब तक के शीर्ष स्तर 22,196.95 पर बंद हुआ।

इससे पहले आज सुबह शुरूआती गिरावट से उबरते हुए बाजार लगातार छठे कारोबारी सेशन में बढ़त पर रहा। सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड का शेयर सबसे ज्यादा 4.16 फीसदी ऊपर आया। वहीं एचडीएफसी बैंक भी 2.5 फीसदी से ज्यादा बढ़कर बंद हुआ। एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक सहित 18 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर आईटी कंपनी टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। इसके साथ ही बजाज फिनसर्व, जेएसडब्ल्यू स्टील, इन्फोसिस ,एचसीएल टेक और सहित 12 कंपनियों के शेयर उछाल के साथ बंद हुए। चढ़कर बंद हुए। पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस के शेयर पिछले तीन ट्रेडिंग सेशन में 16 फीसदी तक चढ़ गए। वहीं बीते तीन दिनों से पेटीएम के शेयर में लगातार 5 फीसदी का अपर सर्किट लग रहा है। इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों के बाद भी बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 150 अंकों तक नीचे आया है। बाजार में हालांकि निचले स्तरों पर थोड़ी खरीदारी दिखी। सेंसेक्स 24.80 अंकों की गिरावट के साथ 72,683.36 के स्तर पर कारोबार करता दिखाई` दिया। वहीं दूसरी ओर निफ्टी 10.41 अंक नीचे आकर 22,111.85 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इससे पहले एशियाई बाजारों से मिले नकारात्मक रुझानों के बाद भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स मंगलवार को गिरावट के साथ खुले। इस दौरान इंडेक्स हैवीवेट रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और इंफोसिस के शेयरों में बिकवाली दिखी।

लग्जरी सामान बनाने वाली दुनिया की प्रमुख 100 कंपनियों में छह भारतीय

नई दिल्ली ।

लग्जरी उत्पाद बनाने वाली दुनिया की प्रमुख 100 कंपनियों की सूची में छह भारतीय कंपनियां भी अपनी जगह बनाने में सफल रही हैं। इन छह कंपनियों में मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स और टाइटन के साथ चार अन्य भारतीय आभूषण निर्माता कंपनियां भी शामिल हैं। एक सर्वे के मुताबिक वैश्विक लग्जरी सामान सूची-2023 में 19वें स्थान पर काबिज मालाबार गोल्ड अग्रणी घरेलू कंपनी है। पहली बार इसे सूची में जगह मिली है। टाटा समूह की इकाई टाइटन कंपनी 24वें स्थान पर है। विविध क्षेत्रों में काम करने वाली फ्रांस की लग्जरी कंपनी एलवीएमएच इस सूची में शीर्ष स्थान पर काबिज है। पीवीएच कॉर्प दूसरे और रिचमोंट तीसरे स्थान पर है। एक सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था जैसे-जैसे बढ़ रही है, उपभोक्ताओं में प्राथमिकताएं विकसित हो रही हैं। देश के लग्जरी बाजार में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी जा रही है, जो घरेलू ब्रांड की वैश्विक पहचान में योगदान दे रही है। देश में लग्जरी उत्पादों की मांग और बढ़ने की उम्मीद है। इससे

घरेलू ब्रांड को वैश्विक स्तर पर उभरने के पर्याप्त अवसर मिलेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की प्रमुख 100 लग्जरी उत्पाद विक्रेताओं ने 2023 में कुल 347 अरब डॉलर का कारोबार किया। यह सालाना आधार पर 13.4 फीसदी की बढ़ोतरी है। 347 अरब डॉलर के कुल कारोबार में एलवीएमएच की हिस्सेदारी 31 फीसदी है।

रिपोर्ट के मुताबिक लग्जरी उत्पाद बनाने वाली दुनिया की प्रमुख 10 कंपनियों का 63 फीसदी बाजार पर कब्जा है। सालाना आधार पर इनकी बिक्री में 23 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने निवेश आकर्षित करने सिंगापुर में अधिकारियों से की चर्चा

सिंगापुर । भारत सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल ने व्यापार संबंधों को मजबूत बनाने और देश में निवेश आर्किषत करने के लिए सिंगापुर में उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर में उच्च पदस्थ अधिकारियों से के साथ चर्चा की और सोमवार को निवेशक गोलमेज सम्मेलन में हिस्सा लिया। सिंह ने सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन की साझेदारी में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) और सिंगापुर में भारतीय उच्चायोग द्वारा आयोजित खाद्य एवं मशीनरी क्षेत्र पर भारत सिंगापुर व्यापार गोलमेज सम्मेलन को भी संबोधित किया। फिक्की के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि यह आयोजन भारतीय और सिंगापुर के व्यवसायों के लिए व्यापार, संयुक्त उद्यम, प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान तथा साझेदारी बढ़ाने के रास्ते तलाशने के लिए एक मंच के तौर पर काम करता है। अधिकारी ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल की यात्रा का मकसद निवेशकों को भारत में आमंत्रित करना और भारत तथा सिंगापुर के बीच व्यापार संबंधों को बढ़ाना था। प्रतिनिधिमंडल ने नवीकरणीय ऊर्जा तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर पर निवेशक गोलमेज सम्मेलन में भी हिस्सा लिया। एंटरप्राइज सिंगापुर और इन्वेस्ट इंडिया द्वारा आयोजित इन सत्रों में दोनों देशों के बीच निवेश संबंधों तथा सहयोगी उद्यमों को बढ़ाने की क्षमता पर व्यापार जगत के लोगों के साथ बातचीत की गई।

लहसुन के बाद अब प्याज हो सकता है महंगा

- लासलगांव मंडी में प्याज की औसत थोक कीमतें 40 फीसदी बढ़ीं

नासिक ।

इन दिनों बाजार में लहसुन काफी महंगा बिक रहा है। लहसुन के बाद अब प्याज की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो सकती है। नासिक के लासलगांव की मंडी में प्याज की औसत थोक कीमतें बीते दिन अचानक 40 फीसदी बढ़ गईं। यहां प्याज की औसत कीमत शनिवार के 1,280 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़कर 1,800 रुपए प्रति क्विंटल हो गईं। सोमवार को लगभग 10,000 क्विंटल प्याज की नीलामी की गई। न्यूनतम थोक मूल्य 1,000 रुपए और अधिकतम 2,100 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज किए गए। एपीएमसी के एक अधिकारी ने कहा कि प्याज निर्यातकों ने विदेशी बाजारों में बेचने के लिए प्याज खरीदना भी शुरू कर दिया है। खुदरा बाजारों की बात करें तो अभी देश में प्याज का औसत भाव 32.26 रुपए प्रति किलो है। हालांकि, कहीं 15 रुपए तो कहीं 80 रुपए किलो भी बिक रहा है। वैसे अधिकतर शहर-कस्बों में 25 से 30 रुपए किलो है। उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट पर दिए गए आंकड़ों के मुताबिक बीते दिन मिजोरम में प्याज की औसत खुदरा कीमत 69.45 रुपए प्रति किलो रही। हरियाणा में 40.25 रुपए, चंडीगढ़ में 37 रुपए, राजस्थान में 36.72 रुपए, गुजरात में 34.67 रुपए और उत्तर प्रदेश में 29.45 रुपए किलो बिका। पिछले साल 7 दिसंबर को घरेलू बाजारों में मांग को पूरा करने और थोक कीमतों को स्थिर करने के लिए केंद्र ने 31 मार्च, 2024 तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद पिछले ढाई महीनों में औसत थोक प्याज की कीमतें 67 फीसदी कम हो गईं। पिछले साल 6 दिसंबर को 3,950 रुपए प्रति क्विंटल थीं और 17 फरवरी को 1,280 रुपए प्रति क्विंटल पर आ गईं। प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध वापस लेने के केंद्र के फैसले की घोषणा के एक दिन बाद ही प्याज के दाम उछल गए। हालांकि केंद्र सरकार ने अभी तक निर्यात पर बैन वापस लेने की औपचारिक अधिसूचना जारी नहीं की है लेकिन केंद्रीय मंत्री भारती पवार ने कहा है कि यह निर्णय गृह मंत्री के अमित शाह नेतृत्व में केंद्र सरकार के मंत्रियों के समूह की बैठक में लिया गया था। एपीएमसी के एक अधिकारी ने कहा कि इस घटनाक्रम का देश के सबसे बड़े थोक प्याज बाजार लासलगांव में औसत कीमतों पर प्रभाव पड़ा।

जेएसडब्ल्यू स्टील ऑस्ट्रेलियाई कोयला खदान में 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगा

नई दिल्ली ।

जेएसडब्ल्यू स्टील ऑस्ट्रेलियाई कंपनी व्हाइटहेवन कोल के स्वामित्व वाली कोयला खदान में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की योजना बना रहा है। यह सौदा करीब 1 अरब डॉलर में हो सकता है। व्हाइटहेवन सेंट्रल क्वींसलैंड में ब्लैकवाटर खदान में अपनी हिस्सेदारी का एक हिस्सा बेच रहा है क्योंकि यह दुनिया भर में संयुक्त उद्यम भागीदारों की तलाश कर रहा है। सूत्र के अनुसार सज्जन जिंदल के स्वामित्व वाली जेएसडब्ल्यू स्टील के साथ इसकी बातचीत 800 मिलियन डॉलर से 1 बिलियन डॉलर के मूल्य बैंड के साथ मूल्यांकन पर है। लेन-देन का नेतृत्व जेएसडब्ल्य समूह की भारतीय सूचीबद्ध इकाई जेएसडब्ल्यू स्टील द्वारा किया जाएगा। हालांकि इस मामले में जेएसडब्ल्यू स्टील के प्रवक्ता ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। साल 2023 में भी जेएसडब्ल्यू समूह ने कनाडा की टेक रिसोर्सेज की धातुकर्म कोयला इकाई में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी का प्रयास किया था। इस सौदे के लिए जेएसडब्ल्यू स्टील को करीब 2 बिलियन डॉलर तक का निवेश करना था,

लेकिन मूल्यांकन को लेकर बातचीत रुक गई थी। जेएसडब्ल्यू स्टील ने अपने लक्ष्य के लिए कच्चे माल को सुरक्षित करने के लिए अधिग्रहण का उपयोग करके 2030 तक अपनी क्षमता को 50 मिलियन टन प्रति वर्ष तक बढ़ाने की योजना बनाई है। कंपनी ऑस्ट्रेलिया और दुनिया के अन्य स्थानों में उच्च गुणवत्ता वाली कोयला खदानों की तलाश कर रही है। समूह ने भारत में कई इस्पात परिसंपत्तियों का अधिग्रहण करके अपना साम्राज्य बनाया है, जिसमें महाराष्ट्र में इस्पात स्टील की इकाई और भूषण पावर एंड स्टील शामिल हैं। समूह भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) व्यवसाय में प्रवेश करने के लिए एमजी मोटर इंडिया में बहुमत हिस्सेदारी हासिल करने की दौड़ में भी है। इसने इस महीने की शुरुआत में ओडिशा में एक नई वाणिज्यिक और इलेक्ट्रिक कार विनिर्माण परियोजना में 40,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की।

एयर इंडिया के 51 विमानों में लगाया जाएगा आईएफई सिस्टम

नई दिल्ली ।

विदेश यात्रा के दौरान इन फ्लाइट सिस्टम को लेकर बढ़ती शिकायतों को देखते हुए एयर इंडिया के 51 विमानों में थेल्स के अवंत अप इन-फलाइट एंटरटेनमेंट (आईएफई) सिस्टम लगाया जाएगा। पहले चरण में थेले स एयर इंडिया के 40 बोइंग 777 और 787 को मौजूदा फलीट को अपने अत्याधुनिक अवंत अप सिस्टम के साथ अपग्रेड और रेट्रोफिट करेगा। अनुमान है कि एयर इंडिया के मौजूदा विमानों को अपडेट करने में करीब एक महीने का समय लग जाएगा।

इसके अलावा एयर इंडिया को एयरबस और बोइंग से मिलने वाले 11 नए एयरक्राफ्ट में भी आईएफई सिस्टम लगाएगा। एयर इंडिया के नए विमानों में आईएफई सिस्टम लगाने का काम 2025 तक पूरा करने का लक्षे य रखा गया है। उल्लेखनीय है कि अवंत अप इन फ्लाइट एंटरटेनमेंट के जरिए यात्रियों को इंटरैक्टिव थ्री डी मैप और इमर्सिव रूट-आधारित प्रोग्रामिंग जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी। इसके अलावा, थेल्स का सेलेक्ट यूजर इंटरफेस (यूआई) में मनोरंजन के लिए बेहतर विकल्प मुहैया कराएगा, जिससे विदेश यात्रा के दौरान यात्रियों के मनोरंजन के अनुभव को अधिक बेहतर बनाया जा सके। थेल्स के अवंत अप में ऑप्टिक 4के क्यूलेड एचडीआर डिस्प्ले है, जो तस्वीरों की गुणवत्ता बेहतरीन बनाता है। ऑप्टिक के साथ यात्री अपने वायरलेस हेडफोन या अन्य उपकरणों को डिस्प्ले से जोड़ सकते हैं। फोन और लैपटॉप को चार्ज भी कर सकते हैं।

वित्तीय वर्ष के पहले 11 महीने में चाय निर्यात घटकर 20.71 करोड़ किलो रहा

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2023 के पहले 11 महीनों में भारत से चाय का निर्यात 1.17 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 20.71 करोड़ किलोग्राम रहा है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। वर्ष 2022 की समान अवधि में देश से 20.96 करोड़ किलोग्राम चाय का निर्यात किया गया था। वहीं पूरे वित्तीय वर्ष 2022 में कुल 23.10 करोड़ किलोग्राम चाय का निर्यात हुआ था। चाय बोर्ड की तरफ से जारी निर्यात आंकड़ों के मुताबिक बीते साल की जनवरी-नवंबर अवधि में मुख्य रूप से असम और पश्चिम बंगाल जैसे उत्तर भारत के क्षेत्र से निर्यात घटा है। यह एक साल पहले की समान अवधि के 13.22 करोड़ किलोग्राम से घटकर 12.52 करोड़ किलोग्राम रह गया।आंकड़ों के मुताबिक, 2023 के पहले 11 महीनों में दक्षिण भारत से निर्यात जनवरी-नवंबर, 2022 के 7.73 करोड़ किलोग्राम की तुलना में बढ़कर 8.18 करोड़ किलोग्राम हो गया। उद्योग सूत्रों ने कहा कि देश के कुल चाय निर्यात में गिरावट की प्रमुख वजह ईरान बाजार में भुगतान समस्याओं के कारण मात्रा में आई कमी रही।

स्वतंत्र देशों के राष्ट्रकुल (सीआईएस) के बाद भारत के कुल चाय निर्यात में ईरान की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत है।

सूत्रों ने इसके साथ ही कहा कि 2023 के समूचे वित्तीय वर्ष के लिए निर्यात परिदृश्य गंभीर बना हुआ है क्योंकि पश्चिम एशियाई देशों में निर्यात को लेकर अनिश्चितता की स्थिति है। दिसंबर, 2023 में चाय का उत्पादन 7.75 करोड़ किलोग्राम रहने का अनुमान है जो एक साल पहले के समान महीने के 6.45 करोड़ किलोग्राम से अधिक है।

हम किसी भी पिच पर जीतने में सक्षम : रोहित

राजकोट (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ मिली 434 रनों की बड़ी जीत से उत्साहित हैं। रोहित ने कहा कि भारतीय टीम किसी भी पिच पर जीतने में सक्षम है। भारतीय टीम ने राजकोट की सपाट पिच पर इंग्लैंड को घुटने टेकने पर विवश कर दिया था। रोहित ने कहा, ''हमने इस तरह के विकेट पर पहले भी काफी मैच जीते हैं। टर्निंग पिच पर भी हमारी टीम बेहतर प्रदर्शन करती है। इससे हमें संतुलन भी मिलता है।'' उन्होंने कहा, ''हमने कई साल तक परिणाम दिये हैं और हम भविष्य में भी परिणाम हासिल करते रहेंगे हालांकि हम कुछ बातों पर नियंत्रण नहीं रख सकते जैसे हम यह नहीं कहते कि हमारे लिए टर्न लेने वाली पिचे बनायीं। उन्होंने कहा, ''पिच तैयार करने का फैसला क्यूरेटर करते हैं। जहां तक हमारी बात है हम किसी भी पिच पर खेलने और जीत हासिल करने के लिए तैयार करते हैं। हमने जब दक्षिण अफ्रीका में केपटाउट में मैच जीता था तो हर कोई जानता था कि वो कैसा विकेट था।'' रोहित ने कहा कि भारतीय टीम ने सभी हालातों से निकलने का रास्ता भी तलाश लिया है। उन्होंने कहा, ''पिछले तीन टेस्ट में, अलग अलग तरह की चुनौतियां थीं जिनका टीम ने सामना किया। पहले टेस्ट में हैदराबाद में गेंद स्पिन कर रही थी और पिच धीमी थी। विशाखापत्तनम में गेंद नीची रह रही थी। जैसे मैच आगे बढ़ा विकेट धीमा हो गया।

नीदरलैंड के खिलाफ बढ़े जोश के साथ उतरेगी भारतीय टीम

राउरकेला ।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 के भुवनेश्वर चरण में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम बुधवार को यहां नीदरलैंड के खिलाफ बढ़े मनोबल के साथ जीत के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारत ने भुवनेश्वर में स्पेन पर 4-1 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, इसके बाद दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम नीदरलैंड के खिलाफ शूटआउट में 2-2 (4-2) की रोमांचक जीत हासिल की। इसके बाद, भारत को ऑस्ट्रेलिया से 4-6 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उसने आयरलैंड पर 1-0 की जीत के साथ वापसी की और भुवनेश्वर चरण का समापन शानदार तरीके से किया। राउरकेला चरण में आगे बढ़ते हुए भारत ने एक करीबी मुकाबले में स्पेन के खिलाफ 2-2 (8-7) शूटआउट जीत हासिल करके लय को बरकरार रखा है। बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में प्रो लीग के रिवर्स लेग में भारत अपने अगले मैच में नीदरलैंड से भिड़ने के लिए तैयार है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने पिछले दो मुकाबलों में नीदरलैंड के खिलाफ विजयी रही है। भारत की पिछली जीत 11 फरवरी को भुवनेश्वर चरण के दौरान हुई। उस मैच में 1-2 से पिछड़ने के बावजूद भारतीय टीम ने वापसी करते हुए स्कोर बराबर किया और आख़िरकार शूटआउट में 4-2 से जीत हासिल की। नीदरलैंड के खिलाफ टीम के प्रदर्शन पर भारतीय टीम के मिडफील्डर, हार्दिक सिंह ने कहा, 'पहले हाफ में हमारा प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा, लेकिन हमने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी की और खेल को शूटआउट में धकेल दिया। हम उस समय से अपनी संभावनाओं को

लेकर आश्वस्त थे, खासकर यह देखते हुए कि हमारे पास वास्तव में अच्छे गोलकीपर हैं।' उन्होंने कहा, 'जिस तरह से हम बैक-टू-बैक इवेंट्स में प्रदर्शन कर रहे हैं, उससे कैंप में आत्मविश्वास काफी ऊंचा है और मुझे यकीन है कि हम इस गति को टूर्नामेंट में आगे भी जारी रखेंगे।' भारत 21 फरवरी को 1930 बजे नीदरलैंड से भिड़ेगा।

नये खिलाड़ियो के आने से बेहतर हुई हैं आरसीबी : मंधाना

बेंगलुरु ।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा है कि इस बार कई नये खिलाड़ियो के आने से उनकी टीम का संतुलन पहले से बेहतर हुआ है। इसलिए वह महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में अच्छा प्रदर्शन करेगी। मंधाना के अनुसार कई स्टार खिलाड़ियों के होने के बाद भी पिछले सत्र में टीम उम्मीदों के अनुसार नहीं खेल पायी थी। इससे वह अंक तालिका में चौथे स्थान पर ही पहुंच पायी थी। डब्ल्यूपीएल 2024 सत्र का पहला मैच आरसीबी 24 फरवरी को अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में यूपी वारियर्स से खेलेगी।

मंधाना ने कहा, मैं इस नये सत्र में चाहूंगी कि हमारा प्रदर्शन पहले सत्र से बेहतर हो। आरसीबी ने इस बार कई नये खिलाड़ियो को शामिल किया है। इसलिए टीम का संतुलन भी पहले से बेहतर हुआ है। इससे हम अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। साथ ही कहा कि घरेलू सत्र में खेलने से मुझे अच्छा अभ्यास करने में सहायता मिली और हमने कई ऐसी लड़कियों को देखा, जिनके खिलाफ हमने पहले नहीं खेला था। इन लड़कियों को खेलते हुए देखने के बाद मैंने अपनी फ्रेंचाइजी को कुछ नये नामों की सिफारिश की थी। साथ ही कहा कि पिछले साल, जब हम टूर्नामेंट से दो दिन पहले टीम में शामिल हुए, तो हम 90 फीसदी खिलाड़ियों के बारे में नहीं जानते थे। हमें नहीं पता था कि उन्होंने क्या किया और क्या नहीं किया। इस साल, उनकी ताकत और कमजोरियों को जानना अहम था, जिससे हम बेहतर प्रदर्शन कर सकें। डब्ल्यूपीएल एक छोटा टूर्नामेंट है और टूर्नामेंट के दौरान चीजों को बदलना कठिन रहेगा।

रियो ओपन : डेलियन को हराकर दूसरे दौर में पहुंचे नोरी

रियो डी जेनेरो । ब्रिटेन के कैमरून नोरी ने जीत के साथ ही रियो ओपन टेनिस टूर्नामेंट की शुरुआत की है। नोरी ने अपने शुरुआती मुकाबले में ही ह्यूगो डेलियन को 6-3, 6-2 से हरा दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार, नोरी ने एकमात्र ब्रेक प्वाइंट को बचाकर और अपने सात अवसरों में से तीन से लाभ उठाकर एक घंटे और 22 मिनट के अंदर ही एटीपी 500 के दूसरे दौर में जगह बनायी। अब नोरी दूसरे दौर में चिली के टॉमस बारियोस से खेलेंगे। बारियोस ने एक अन्य मुकाबले में ब्राजील के वाइल्ड कार्ड धारी गुस्तावो हेइड को 7-5, 6-3 से हराया था। अन्य मैचों की बात करें तो फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसाना को 6-1, 1-6, 6-2 से हराया। अब फ्रांसिस्को का मुकाबला स्पेन के ही अल्बर्ट रामोस-विनोलास से होगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में एटीपी रैंकिंग में रामोस-विनोलास ने पेरू के ही जुआन पाब्लो वरिल्लास को दो घंटे और 44 मिनट तक चले मुकाबले में 3-6, 6-3, 7-5 से हराया।

शुक्रवार से शुरु होगा डब्ल्यूपीएल 2024 , उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेंगे बॉलीवुड सितारे

मुम्बई ।

महिला क्रिकेट लीग (डब्ल्यूपीएल) 2024 यहां के एम.चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुक्रवार 23 फरवरी से शुरु होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इस महिला क्रिकेट लीग की शुरुआत से पहले एम.चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक भव्य उद्घाटन समारोह भी रखेगी। डब्ल्यूपीएल उद्घाटन समारोह शाम 06:30 बजे से शुरु होगा। इस समारोह में अभिनेता कार्तिक आर्यन, अभिनेत्री कियारा आडवाणी, कृति सेनन जैसे सितारें कार्यक्रम पेश करेंगे। वहीं सिंगर एपी ढिल्लों भी अपने गानों से प्रशंसकों का मनोरंजन करेंगे। इस टूर्नामेंट का प्रसारण स्पोर्टस 18 पर होगा। डब्ल्यूपीएल के इस सत्र में 5 टीमें भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट में प्रत्येक टीम होम-एंड-अवे, डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में हर दूसरी टीम से 2 बार खेलेगी। वहीं डबल राउंड-रॉबिन लीग के बाद शीर्ष 3 टीमें कुल अंकों के आधार पर प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करेंगी। इसमें सबसे अधिक अंक वाली टीमें फाइनल खेलेगी। डब्ल्यूपीएल की टीमें इस प्रकार हैं। दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात जायंट्स, मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और यूपी वारियर्स।

डब्ल्यूपीएल का कार्यक्रम इस प्रकार है

- 23 फरवरीः मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरु
- 24 फरवरीः रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और यूपी वॉरियर्स, बेंगलुरु
- 25 फरवरीः गुजरात जायंट्स और मुंबई इंडियंस, बेंगलुरु
- 26 फरवरीः यूपी वॉरियर्स और दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरु
- 27 फरवरीः रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और गुजरात जायंट्स, बेंगलुरु
- 28 फरवरीः मुंबई इंडियंस और यूपी वॉरियर्स, बेंगलुरु
- 29 फरवरीः रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरु
- 1 मार्चः यूपी वॉरियर्स और गुजरात जायंट्स, बेंगलुरु
- 2 मार्चः रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस, बेंगलुरु
- 3 मार्चः गुजरात जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरु
- 4 मार्चः यूपी वॉरियर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, बेंगलुरु
- 5 मार्चः दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस, दिल्ली
- 6 मार्चः गुजरात जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, दिल्ली
- 7 मार्चः यूपी वॉरियर्स और मुंबई इंडियंस, दिल्ली
- 8 मार्चः दिल्ली कैपिटल्स और यूपी वॉरियर्स, दिल्ली
- 9 मार्चः मुंबई इंडियंस और गुजरात जायंट्स, दिल्ली
- 10 मार्चः दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली
- 11 मार्चः गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्स, दिल्ली
- 12 मार्चः मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली
- 13 मार्चः दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स, दिल्ली
- 15 मार्चः एलिमिनेटर, दिल्ली
- 17 मार्चः फाइनल, दिल्ली।

संक्षिप्त समाचार

बीसीसीआई ने मनोज तिवारी पर जुर्माना लगाया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रणजी ट्रॉफी की आलोचना के लिए बंगाल के क्रिकेटर मनोज तिवारी पर जुर्माना लगाया है। हाल ही में मनोज ने रणजी की आलोचना करते हुए कहा था कि इसे क्रिकेट कैलेंडर से हटा देना चाहिए। मनोज पर ये जुर्माना उनके क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास के बाद लगाया गया है। इस क्रिकेटर ने रणजी में बिहार के खिलाफ अपना अंतिम प्रथम श्रेणी मैच खेला था। बीसीसीआई ने रणजी ट्रॉफी की आलोचना करने के लिए उन पर मैच फीस का 20 फीसदी जुर्माना लगाया है। इससे पहले तिवारी ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा था कि रणजी ट्रॉफी में काफी कुछ गलत हो रहा है, इसलिए अगले सत्र से इसको कैलेंडर से हटा देना चाहिए। बीसीसीआई ने उनके इसी पोस्ट पर नाराजगी जाहिर करते हुए ये जुर्माना लगाया है। इस क्रिकेटर रणजी ट्रॉफी की फोटो साझा करते हुए लिखा था, अगले सत्र से रणजी ट्रॉफी को कैलेंडर से हटा देना चाहिए क्योंकि टूर्नामेंट में कई चीजें गलत हो रही हैं। समृद्ध इतिहास वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को बचाने के लिए कई चीजों पर ध्यान देने की जरूरत है। यह अपना आकर्षण और महत्व खोता जा रहा है। इससे में बहुत ही निराश हूं। वहीं बीसीसीआई ने हाल ही में केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों से कहा था कि अगर वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए चयन करना चाहते हैं तो उन्हें पहले घरेलू क्रिकेट में अपने को साबित करना होगा।

टेस्ट क्रिकेट को यादगार बनाना चाहते हैं यशस्वी

राजकोट । भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट कठिन है पर वह इसे यादगार बनाना चाहते हैं। यशस्वी ने अब तक अपने आक्रामक खेल से दो दोहरे शतक लगाये हैं। इस बल्लेबाज का कहना है कि वह अच्छी शुरुआत को बड़ा बनाना चाहते हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 236 गेंदों में ही नाबाद 214 रन बना दिये थे। जायसवाल ने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट कठिन है, लेकिन मैंने सोचा कि जब मैं टीम में हूं तो मुझे अपना 100 फीसदी देना चाहिये। उन्होंने कहा, 'मैं बस कोशिश कर रहा हूं कि जब भी मैं क्रीज पर थोड़ा समय बिता लेता हूं तो मैं उसे बड़ी पारी में बदलने का प्रयास करता हूं। टेस्ट क्रिकेट में सफल होने आपको अपनी पारी को बड़े स्कोर में बदलना होता है। जायसवाल ने कहा कि उन्होंने सत्र दर सत्र खेलने का प्रयास किया। उन्हें पारी के दौरान पीठ में जकड़न की भी समस्या आई। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए काफी मुश्किल था क्योंकि शुरू में मैं रन नहीं बना पा रहा था। इसलिए सत्र दर सत्र खेलना पड़ा और हालातों से तालमेल बिठाना पड़ा। तभी मुझे लगा कि मैं रन बना सकता हूं।

शुभमन लोकसभा चुनावों के लिए पंजाब के राज्य आइकन बनाये गये

चंडीगढ़ ।

क्रिकेटर शुभमन गिल अब लोकसभा चुनावों में शामिल होने के लिए मतदाताओं को जागरुक करते हुए दिखेंगे। राज्य के निर्वाचन अधिकारी ने शुभमन को लोकसभा चुनावों के लिए 'राज्य आइकन घोषित किया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सिबिन सी ने शुभमन विभिन्न अभियान का हिस्सा रहेंगे और उनका काम मतदाताओं के बीच जागरूकता पैदा करना है जिससे कि 70 फीसदी से अधिक मतदान का आंकड़ा हासिल किया जा सके।

निर्वाचन आयोग ने इस बार 70 फीसदी से अधिक मतदान का लक्ष्य बनाया है। इससे पहले साल 2019 के लोकसभा चुनावों में यहां की 13 सीटों के लिए 65.96 फीसदी ही मतदान हुआ था। निर्वाचन अधिकारी के अनुसार राज्य के खेल प्रशंसकों और युवाओं के बीच शुभमन बेहद लोकप्रिय हैं। जिससे वह लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसी कारण उन्हें चुनावों के लिए राज्य आइकन बनाया गया है। उन्होंने साथ ही कहा कि शुक्रवार को पंजाब के सभी उपायुक्तों के साथ बैठक में उन्हें ऐसे इलाकों की पहचान करने को कहा गया है जहां पिछले चुनाव के दौरान कम मतदान हुआ था।

उन्होंने साथ ही कहा कि ऐसे क्षेत्रों में इस क्रिकेटर के चलाए गए जागरूकता अभियान और अपील से मतदाताओं को प्रेरित किया जा सकेगा। वहीं इससे पहले लोकप्रिय पंजाबी गायक तरसेम जस्सर को भी राज्य आइकन घोषित किया गया था। वह भी इसी प्रकार लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने उम्मीद जताई कि पहली बार मतदान करने वाले लोग शुभमन और तरसेम से प्रभावित होंगे और अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

यशस्वी गेंदबाजी भी करें : कुंबले

मुम्बई । इंग्लैंड के खिलाफ अबतक खेले गये तीन टेस्ट मैचों में शानदार प्रदर्शन करने वाले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अब गेंदबाजी करते हुए भी दिख सकते हैं। यशस्वी ने इस सीरीज में दो दोहरे शतक जड़े हैं। उन्होंने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 209 रन जबकि तीसरे टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद 214 रन बनाये थे। वहीं दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने कहा है कि यशस्वी को बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी भी करनी चाहिये। कुंबले ने कहा कि उनकी गेंदबाजी अच्छी है, इसलिए वह कप्तान रोहित शर्मा से कुछ ओवर मांग सकते हैं। कुंबले ने कहा कि यशस्वी एक अच्छे लेग स्पिनर बन सकते हैं। इस क्रिकेटर ने भी गेंदबाजी में रुचि दिखायी है। इसी कारण रोहित ने उन्हें तीसरे टेस्ट में कुछ ओवर फेंकने के लिए तैयार रहने के लिए कहा था हालांकि उन्हें गेंदबाजी का अवसर नहीं मिला था। कुंबले के अनुसार उन्हें रोहित से कुछ ओवर मांगने चाहिये। साथ ही कहा कि बल्लेबाजी की तरह ही आपकी गेंदबाजी भी काफी अच्छी है। मैंने आपकी गेंदबाजी देखी है और इसी कारण कुछ ओवर फेंकने को कहा है। साथ ही कहा कि आपका एक्शन अच्छा है और गेंद आपके हाथ से अच्छे से निकल रही है। इस प्रतिभा को मत छोड़ें क्योंकि आप नहीं जानते कि यह आपके कब काम आ जाएगी। वहीं इसको लेकर जायसवाल ने कहा, मुझे गेंदबाजी करना पसंद है। रोहित ने मुझे कुछ ओवर फेंकने के लिए तैयार रहने को कहा और मैंने कहा हां, मैं एक गेंदबाज के रूप में अपनी ओर से योगदान देने के लिए तैयार हूं। गौरतलब है कि इस क्रिकेटर ने 13 लिस्ट ए पारियों में 5.41 की इकॉनमी से 7 विकेट भी लिए हैं हालांकि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उन्होंने ज्याद गेंदबाजी नहीं की है।

पाक गेंदबाज नसीम बोले, विराट बड़े स्टार होने के बाद भी है बेहद विनम्र

लाहौर। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा है कि एक स्टार खिलाड़ी होने के बाद भी वह स्वभाव से काफी विनम्र होने के साथ ही हंसी मजाक करते रहते हैं। सर्जरी से उबरने के बाद पाकिस्तान सुपर लीग से वापसी करने वाले नसीम ने कहा कि विराट में एक बड़ा खेल सितारा होने के बाद भी घमंड नहीं है। वह एशिया कप के दौरान हमेशा मैच से पहले हमारा स्वागत करते रहे हैं। इससे लगता है कि उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि वह कितने बड़े खेल सितारे हैं। वह खेल के दौरान जितने केन्द्रित रहते हैं। मैदान के बाहर उतने ही सामान्य नजर आते हैं। नसीम ने नवंबर 2019 में पदार्पण करने के बाद से ही पाक की ओर से 17 टेस्ट, 14 एकदिवसीय और 19 टी20 मैच खेले हैं। एशिया कप के दौरान चोटिल होने के कारण वह बाहर हो गये थे।

न्यूजीलैंड-ऑस्ट्रेलिया टी20 सिरीज आज से

वेलिंगटन ।

यहां मिचेल सेंटनर की कप्तानी में मेजबान न्यूजीलैंड टीम बुधवार से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के साथ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इस सीरीज का पहला मैच यहां के स्काई स्टेडियम में होगा।

वहीं दूसरा और तीसरा मुकाबला ऑकलैंड के ईडन पार्क खेला जाएगा। इस सीरीज के लिए कीवी टीम में जोश क्लार्कसन, रचिन रवींद्र के अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को भी शामिल किया गया है। बोल्ट की काफी समय के बाद टीम में वापसी हुई है। वह दूसरे और तीसरे टी20 मुकाबले में खेलेंगे।

वहीं चोटिल होने के कारण डेरिल मिशेल टीम से बाहर हैं जबकि अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन पितृत्व अवकाश के कारण टीम से बाहर हैं। इसी कारण ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन को अवसर मिलना तय माना जा रहा है। इसी प्रकार लॉकी फर्ग्यूसन को बेन सियर्स की जगह शामिल किया जाएगा। माइकल ब्रेसवेल भी फिट नहीं होने के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। वहीं जिमी नीशम बांग्लादेश प्रीमियर लीग में हिस्सा लेने के कारण नहीं खेलेंगे। इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी मिशेल मार्श के पास रहेगी। तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ की भी टीम में वापसी हुई है।

सीरीज के लिए दोनों देशों की टीमें इस प्रकार हैं :

न्यूज़ीलैंड : मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट , मार्क चैपमैन, जोश क्लार्कसन*, डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), लॉकी फर्ग्यूसन, एडम मिल्ने, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, ईश सोढ़ी, टिम साउदी

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम जम्पा।

पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने धोनी पर लगाये गंभीर आरोप

शतक के बाद भी मुझे बाहर रखा गया

कोलकाता । हाल की में सन्यास लेने वाले क्रिकेटर क्रिकेटर मनोज तिवारी ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी पर गंभीर आरोप लगाये हैं। मनोज ने कहा कि अच्छे प्रदर्शन के बाद भी धोनी ने उनकी उपेक्षा की। मनोज के अनुसार वह धोनी से पूछना चाहते हैं कि शतक लगाने और प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीतने के बाद भी उन्हें लगातार 14 मैचों तक क्यों बाहर रखा गया। मनोज का कहना है कि घरेलू क्रिकेट में भी उनका रिकार्ड काफी अच्छा रहा है, इसके बाद भी उन्हें अवसर नहीं दिया गया। मनोज ने बंगाल की ओर से अपना रणजी ट्रॉफी मैच खेला था। इसके बाद उनके दिल का दर्द फूट पड़ा और उन्होंने धोनी के रवैये के प्रति अपनी निराशा व्यक्त की। गौरतलब हे कि इस क्रिकेटर ने साल 2008 में भातरीय टीम की ओर से पदार्पण करने के बाद 12 एकदिवसीय और तीन टी20 मैच खेले थे। दिसंबर 2011 में, उन्होंने चेन्नई में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 104 रन बनाकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया था पर इसके बाद दूसरा अवसर उन्हें 7 महीने के बाद मिला। इसी को लेकर इस क्रिकेटर ने सवाल उठाया है। उसका कहना है कि वह किसी दिन पूर्व कप्तान धोनी से यह जानना चाहेंगे कि ऐसा क्यों किया गया। उन्हें जानबूझकर 2012 में ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भी शामिल नहीं किया गया जबकि उस समय विराट कोहली, रोहित शर्मा और सुरेश रैना जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी रन नहीं बना पा रहे थे। उन्होंने कहा, मौका मिलने पर मैं धोनी से सलाज जरुर करुंगा कि मुझे शतक के बाद भी किस कारण से बाहर किया गया। ये भी तब जब कोई भी अन्य खिलाड़ी रन नहीं बना पा रहा था।

सूरत के नवनिर्मित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) का प्रधानमंत्री 22 तारीख को नवसारी से ई-उद्घाटन करेंगे

सूरत। प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी 22 तारीख को नवसारी से करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे। जिसमें मजूरागेट स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के 34 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया जाएगा. 15946 वर्ग मीटर भूतल + चार मंजिल के नवनिर्मित भवन में 45 कार्यशालाएं, 35 सिद्धांत कक्षा, प्रशासनिक कार्यालय, सेमिनार हॉल, ऑडियो विजुअल कक्ष, सम्मेलन कक्ष, अग्नि सुरक्षा, वर्षा जल संचयन प्रणाली जैसी विभिन्न आधुनिक सुविधाएं हैं। आईटीआई में एनसीवीटी सिद्धांत के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए आधुनिक मशीनरी के साथ प्रशिक्षण प्रदान करता है। साथ ही जी.सी.वी.टी. पैटर्न कार्यशालाओं के अलावा, मेगा आईटीआई में उन्नत वेल्डिंग, औद्योगिक स्वचालन, आई. टी. शामिल हैं। और उभरती प्रौद्योगिकी, कपड़ा और परिधान जैसे विभिन्न क्षेत्रों पर आधारित उत्कृष्टता केंद्र तैयार किए जा रहे हैं।

यहां बता दें कि आने वाले दिनों में राज्य के विभिन्न आईटीआई में काम करने वाले कर्मचारियों के कौशल में निरंतर सुधार के लिए इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक सुविधाओं से युक्त एक केंद्र की भी परिकल्पना की जाएगी।

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री दर्शनाबेन जरदोश और शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया ने वीएनएसजीयू के कन्वेंशन हॉल में पीएम ऊषा योजना का उद्घाटन किया

सूरत। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री दर्शनाबेन जरदोश और शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया की उपस्थिति में वीएनएसजीयू (वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय) के कन्वेंशन हॉल में पीएम ऊषा (प्रधानमंत्री उच्च शिक्षा अभियान) योजना का शुभारंभ किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की आभासी उपस्थिति में पूरे देश में शुरू की गई पीएम ऊषा योजना का मुख्य उद्देश्य देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देना है।

केंद्रीय मंत्री दर्शनाबेन जरदोश ने पीएम ऊषा योजना के तहत 100 करोड़ रुपये का अनुदान पाने के लिए वीर नर्मद विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय के सशक्तिकरण के बारे में बात की। इसमें केंद्र सरकार द्वारा प्राप्त अनुदान के उपयोग के माध्यम से विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे, संकायों और पाठ्यक्रमों का नवीनीकरण या सुधार करके बहु-विषयक शिक्षण वातावरण को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया गया। उन्होंने शिक्षा, कौशल और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए सरकार की योजनाओं के बारे में बात की और 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए प्रतिबद्धता दिखाई। साथ ही, पीएम ऊषा योजना ने शिक्षा और अनुसंधान क्षेत्र में आने वाले बदलावों को सुनिश्चित किया।

इसके अलावा, मंत्री ने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में उपलब्ध उत्कृष्ट शोध अवसरों के बारे में जानकारी दी और कौशल विकास के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ाने और इसके माध्यम से युवाओं के लिए एक सफल करियर के लक्ष्य पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों सहित शिक्षा क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के बढ़ते उपयोग की जानकारी दी और युवाओं के लिए उपलब्ध करियर विकास के नए पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने देश-दुनिया में अग्रणी गुजरात के गतिशील मॉडल का जिक्र करते हुए भारत के उज्ज्वल भविष्य का भरोसा दिलाया। मंत्री ने युवाओं से उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित कर भारत को विश्व गुरु बनाने के प्रधानमंत्री के वादे को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान देने का आग्रह किया।

इस मौके पर शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया ने शिक्षा को देश के समग्र विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक बताते हुए नई शिक्षा नीति की सराहना की. बदली हुई शिक्षा नीति की विशेषताओं ने भारत की विकसित देशों के बराबर या उनसे बेहतर होने की क्षमता दर्शायी। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा और संस्कृति को बरकरार रखते हुए स्थानीय भाषा को महत्व देने वाली नई शिक्षण पद्धति दुनिया भर में लोकप्रिय होगी और शिक्षा जगत में एक नया अध्याय रचेगी। उन्होंने कहा कि पीएम ऊषा योजना के तहत वीर नर्मद विश्वविद्यालय में नवीनीकरण या सुधार से उच्च शिक्षा का स्तर बदल जाएगा। उन्होंने युवाओं से कौशल विकास में आगे बढ़कर परिवार, समाज, राज्य समेत देश के बदलाव में योगदान देने की अपील भी की.

यहां बता दें कि पीएम ऊषा योजना के तहत देशभर के 78 विश्वविद्यालयों को दिए गए कुल अनुदान में से 52 विश्वविद्यालयों को 20 करोड़ रुपये और 26 विश्वविद्यालयों को 100 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है. जिसमें गुजरात के दो विश्वविद्यालयों में वीएनएसजीयू का शामिल होना पूरे राज्य के लिए गौरव की बात है।

इस अवसर पर कुलपति के नेतृत्व में अनुदान हेतु तैयार किये गये प्रस्ताव हेतु प्रोफेसरों की पूरी टीम को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नर्मद विश्वविद्यालय. चांसलर डॉ. किशोर सिंह चावड़ा, रजिस्ट्रार आरसी गढ़वी, पीएम-यूएसएचए घटक के डॉ. किशोरभाई चिखलिया सहित बड़ी संख्या में प्रोफेसर और छात्र उपस्थित थे।

केदारनाथ के मुख्य महाराज प्रवीण तिवारी जी नवनिर्मित मंदिर की ली मुलाकात

सुरत भुमि, सूरत। डिंडोली स्थित सी. आर. पाटील रोड जगदंबा नगर सोसाइटी में नवनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर जगदंबा नगर में नवनिर्मित मंदिर में मां जगतजननी पराम्बा जगदंबा की प्रतिमा का सात दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा का अनुष्ठान चल रहा है, जो 16 फरवरी से प्रारंभ होकर 22 फरवरी को प्रतिष्ठा और हवन तथा भण्डारा के साथ पूर्ण होगा। इस प्राण प्रतिष्ठा में मुख्य आचार्य पं. पुष्पेंद्र तिवारी जी, आचार्य पं. उमेश मिश्रा जी (प्रयागराज) आचार्य पं. अमरदेव त्रिपाठी जी (प्रयागराज) आचार्य सुशील द्विवेदी जी, आचार्य अरुण मिश्रा जी, और पं. रोहित मिश्रा जैसे योग्य ब्राह्मणों के द्वारा यह यज्ञ संपन्न कराया जा रहा है। इस अनुष्ठान के अंदर आज चौथे दिवस में केदारनाथ धाम के मुख्य महाराज प्रवीण तिवारी जी ने मंदिर की मुलाकात ली और मंत्र उच्चारण के साथ जगत जननी मां जगदंबे का जय घोष किया। मुख्य यजमान ओंकार सिंह और पुलिस मौर्य उत्तर भारती ब्राह्मण समाज अग्रणी शंकर दुबे उमेश तिवारी संजय तिवारी तथा समस्त जगदंबा नगर के निवासियों ने केदारनाथ के मुख्य महाराज प्रवीण तिवारी जी का जोरदार स्वागत किया।

22 तारीख को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों काकरापार में 700 मेगावाट प्रति यूनिट क्षमता वाली दो इकाइयां देशवासियों को समर्पित की जाएंगी

सूरत। 22 फरवरी को न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन इंडिया लि. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा काकरापार में निर्मित यूनिट-3 एवं 4 देशवासियों को समर्पित की जायेगी।

सूरत जिले के मांडवी तालुका में काकरापार परमाणु ऊर्जा स्टेशन पर 700-700 मेगावाट के दो स्वदेश निर्मित बिजली संयंत्र देशवासियों को समर्पित किए जाएंगे। यूनिट 3 और 4 के साथ, काकरापारा परमाणु ऊर्जा स्टेशन की क्षमता 1800 मेगावाट होगी। प्रेशराइज्ड हेवी वॉटर रिएक्टर (PHWR) प्रणाली की दो इकाइयाँ भारत की आत्मनिर्भरता का प्रतीक हैं। यूनिट-3 काकरापार परमाणु ऊर्जा परियोजना (KAPP-3 700 MWe) 30 अगस्त 2023 से चालू है। यह इकाई कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों से गुजर रहे 16 स्वदेशी 700 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर की श्रृंखला में पहली इकाई है। वहीं इसकी जुड़वां इकाई केएपीपी-4 जल्द ही ग्रिड से जुड़ जाएगी और बिजली पैदा करना शुरू कर देगी।

दुनिया में सर्वश्रेष्ठ मानी जाने वाली उन्नत सुरक्षा सुविधाओं वाली इस पहली प्रेशराइज्ड हेवी वॉटर रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) इकाई को भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों द्वारा डिजाइन किया गया है। भारतीय इंजीनियरों और वैज्ञानिकों द्वारा निर्मित रिएक्टरों का डिज़ाइन, निर्माण और संचालन, साथ ही भारतीय उद्योगों से संसाधनों की आपूर्ति और कार्यान्वयन, च्आत्मनिर्भर भारतज् के दृष्टिकोण को साकार करने का एक प्रमुख उदाहरण है।

यहां यह उल्लेख किया जा सकता है कि एनपीसीआईएल वर्तमान में 7480 मेगावाट की कुल क्षमता वाले 23 रिएक्टरों का संचालन करता है। इसके अतिरिक्त, स्वदेशी 700 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर प्रौद्योगिकी के 15 रिएक्टर कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। रूसी सहयोग से कुडनकुलम में 1000 मेगावाट क्षमता के 4 हल्के जल रिएक्टर (एलडब्ल्यूआर) भी निर्माणाधीन हैं। जिसके धीरे-धीरे वर्ष 2031-32 तक पूरा होने की उम्मीद है। ये रिएक्टर मौजूदा स्थापित परमाणु ऊर्जा क्षमता को 7480 मेगावाट से बढ़ाकर 22480 मेगावाट कर देंगे।

परमाणु ऊर्जा 24*7 उपलब्ध बेस लोड बिजली उत्पादन का एक स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल स्रोत है। परमाणु ऊर्जा संयंत्रों ने अब तक लगभग 870 बिलियन यूनिट स्वच्छ बिजली का उत्पादन किया है, जिससे देश में लगभग 748 मिलियन टन कार्बन-डाइऑक्साइड के बराबर उत्सर्जन कम हुआ है। 2070 तक नेट ज़ीरो के लक्ष्य को हासिल करने में परमाणु ऊर्जा अहम भूमिका निभाएगी।

गुरु तो अनेक हैं, परंतु सद्‌गुरू दुर्लभ हैं; जीवन के टूटे हुए ताले जो खोल दे उसे सद्‌गुरु कहते हैं: पू. पंन्यास पद्मदर्शनजी महराज

सूरत। यह वेसू स्थित संयमतीर्थ महाविदेहधाम में आ. फूलचंद्रसूरिजी महाराज और 800 से अधिक श्रमण-श्रमणी भगवंतों के सम्मान में भव्य उत्सव मनाया जा रहा है. जैनाचार्य गुणरत्नसूरिजी महाराज को प्रेम-भुवनभानुसूरी समुदाय के बीच संयम सम्राट के रूप में जाना जाता है। गुरु तो अनेक हैं, परंतु सद्गुरु दुर्लभ हैं। जीवन के टूटे हुए ताले जो खोल दे उसे सद्गुरु कहते हैं। युवाओं को भौतिकवाद, भोगवाद और तंत्रवाद की ओर ले जाकर संयम के मार्ग पर मोड़ने का कार्य पूज्यश्री ने किया। यह बात पू. पंन्यास पद्मदर्शनजी महाराज ने कही।

सुंदरबेन गोकुलचंदजी पोखरना परिवार ने महाविदेधाम में गुरुपादुका पूजन किया। इस शुभ अवसर पर चार हजार से अधिक गुरुभक्तों ने गुरुपादुका पूजन भी किया। संवेदन शील गुरुभक्त प्रफुल्ल राठौड़ सद्गुरु की पादुका की संवेदना प्रस्तुति के माध्यम से अवगत कराया। सभी हिंदू संस्कृतियों और जैन धर्म में गुरुपादुका का एक अलग ही महत्व है। किसी व्यक्ति की अनुपस्थिति- उसके पादुका-महत्व में। पादुका सद्गुरु के अस्तित्व का एक विशेष अंग है। चरण पादुका प्रभाव और सिद्धि का परिचायक है। सूर्य आचार्य के समान है जिस प्रकार सूर्य ऑक्सीजन और प्रकाश का महान स्रोत है, उसी प्रकार सद्गुरु ज्ञान के सूर्य के समान हैं।

सद्गुरु दर्शन के क्षेत्र में समर्पण की पराकाष्ठा हैं। आचार्य सूरजमुखी के समान होते हैं। पूज्यश्री जैन शासन के उत्तराधिकारी थे। उन्होंने ईश्वर के आदेश पर जीवन का निर्माण किया। जीवित बृहस्पति की वृत्ताकार आभा आज भी देखी जाती है। धन, स्वास्थ्य से अधिक महत्वपूर्ण है चरित्र। सना, दौलत से ज्यादा अहम है किरदार। पूज्यश्री का शांत जीवन यह था कि उन्होंने मच्छरों से त्रस्त होने के बावजूद 82 वर्षों तक मच्छरदानी का उपयोग नहीं किया। आत्मा की ऊर्जा के लिए तपस्या की आवश्यकता होती है। आज का आदमी शरीर की फिटनेस को लेकर चिंतित रहता है। आत्मा की फिटनेस की उतनी चिंता नहीं है. पूज्यश्री ने 80 वर्ष की आयु तक एकासना की तपस्या की

जिस तरह अर्थव्यवस्था में सोना महत्वपूर्ण है. अत: संयम में सत्त्वगुण का महत्व है। च्वी अनबीटेबलज् मुंबई ग्रुप के युवाओं ने डांस के माध्यम से अपना प्रदर्शन दिखाया. ये युवा च्अमेरिकाज गॉट टैलेंटज् में प्रथम स्थान पर आए. इस नृत्य को देखने के लिए विशाल मंडप छोटा हो गया था। 21 फरवरी के दिन सुबह 9:00 बजे एक विशाल जुलूस निकलेगा।

न्यू सिविल अस्पताल हजीरा - एलएंडटी कंपनी सीएसआर फंड के तहत बुनियादी जीवन समर्थन सुविधाओं से सुसज्जित दो एम्बुलेंस प्रस्तुत की गई

सूरत। सीएसआर कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड के तहत अनुमानित 44 लाख रुपये की अत्याधुनिक बुनियादी जीवन समर्थन सुविधाओं से लैस दो एम्बुलेंस न्यू सिविल हॉस्पिटल हजीरा - एल एंड टी कंपनी को सौंपी गई। आपातकाल के समय उपहार में मिली ये दो एंबुलेंस सूरत शहर सहित जिले के हजारों मरीजों के लिए वरदान साबित होंगी।

न्यू सिविल हॉस्पिटल में कुल 08 एम्बुलेंस हैं, जिनमें सात बेसिक लाइफ सपोर्ट और एक एडवांस लाइफ सपोर्ट शामिल है।

इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गणेश गोवेकर, सरकारी मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. रागिनीबेन वर्मा, रेडियोलॉजी विभाग की एचओडी डॉ. पूर्वीबेन देसाई, आरएमओ डॉ. केतन नायक, नर्सिंग अधीक्षक आनंदीबेन गमीत, एलएंडटी कंपनी के वीपी और सीएओ संजय देसाई, जीएम एवं हेड डॉ. डॉ. जंयत पटेल, ओएचसी के प्रमुख। तेजस वासी, सहायक, सीएसआर विभाग। प्रबंधक मानसी देसाई, वरिष्ठ चिकित्सक सहित अधिकारी, नर्सिंग स्टाफ उपस्थित थे।

सैमसंग ने गैलेक्सी बुक4 सीरीज के प्री-बुक की घोषणा की, भारत में गैलेक्सी इकोसिस्टम के अनुभव को बेहतर बनाया

गुरुग्राम । भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज से गैलेक्सी बुक4 सीरीज के लिए प्री-बुकिंग शुरू कर दी है। यह गैलेक्सी बुक4 प्रो 360, गैलेक्सी बुक4 प्रो और गैलेक्सी बुक4 360 के साथ सैमसंग का पीसी का सबसे इंटेलीजेंट लाइन अप है।

गैलेक्सी बुक4 सीरीज नए इंटेलिजेंट प्रोसेसर, अधिक बेहतर और इंटरैक्टिव डिस्प्ले और बेहद मजबूत सिक्योरिटी सिस्टम के साथ आती है। यह एआई पीसी के एक नए युग की शुरुआत है, जो शानदार प्रॉडक्टिविटी, मोबिलिटी और कनेक्टिविटी की पेशकश करता है। ये नए उन्नत फीचर्स न केवल डिवाइस को बेहतर बनाते हैं बल्कि पूरे सैमसंग गैलेक्सी इकोसिस्टम को नई ऊंचाई पर लेकर जाते हैं। यह फीचर्स पीसी कैटेगरी को एडवांस बनाकर सैमसंग के वर्तमान और भविष्य के एआई इनोवेशन के नजरिए को गति देते हैं।

अगले स्तर की कनेक्टिविटी, मोबिलिटी और उत्पादकता को सामने लाते हुए, गैलेक्सी बुक4 सीरीज यूजर्स के पीसी, स्मार्टफोन, टैबलेट और अन्य डिवाइस के साथ के इंटरैक्शन को नए सिरे से परिभाषित करती है और वास्तिव में कनेक्टेड और इंटेलिजेंट अनुभव प्रदान करती है। यह ऑप्टिमाइज्ड और टच-आधारित यूजर इंटरफेस के साथ पूरी तरह से इंटरैक्टिव है, जो बिल्कुल आपके स्मार्टफोन या टैबलेट के अनुभव की तरह है।

शक्तिशाली परफॉर्मेंस के लिए इंटेलिजेंट प्रोसेसर की सुविधा के साथ, गैलेक्सी बुक4 सीरीज में नया इंटेल0 कोर™ अल्ट्रा 7/अल्ट्रा5 प्रोसेसर है, जो एक तेज़ सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (सीपीयू), हाई परफॉर्मेंस ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) और एक नया जोड़ा गया न्यूरल प्रॉसेसिंग यूनिट (एनपीयू) है। एआई क्षमताओं को अगले स्तर पर ले जाते हुए, गैलेक्सी बुक4 सीरीज में उत्पादकता बढ़ाने के लिए इंटेल का पहला एआई पीसी एक्सेलेरेशन प्रोग्राम पेश किया गया है।

गैलेक्सी बुक4 सीरीज अपने डायनैमिक एमोलेड 2X डिस्प्ले के साथ एक शानदार और इंटरैक्टिव डिस्प्ले प्रदान करती है, जो घर के अंदर हो या बाहर, स्पष्ट कंट्रास्ट और बेहतर कलर देता है। इसका विजन बूस्टर इंटेलिजेंट आउटडोर अल्गोरिद्म का इस्तेमाल करते हुए चमकीली स्थिति में ऑटोमैटिक तरीके से विजिबिलिटी और कलर रिप्रॉडक्शन को बढ़ाता है, वहीं एंटी रिफ्लेक्टिव टेक्नोलॉजी ध्यान भटकाने वाले रिफ्लेक्शंस को कम करती है।

डॉल्बी एटमॉस0 के साथ एकेजी क्वाड स्पीकर के साथ साउंड क्वालिटी कमाल की है, जो साफ और स्पष्ट आवाज के लिए उच्च ऑक्टेव और मजबूत बास प्रदान करती है। इस अगली पीढ़ी के इंटेलिजेंट पीसी में मजबूत सिक्योरिटी सिस्टम के साथ सभी असाधारण फीचर्स शामिल हैं।

गैलेक्सी बुक4 सीरीज एआई-पावर्ड इनोवेशन के सैमसंग के दृष्टिकोण की एक और मिसाल है। इसका निर्माण लोगों प्रोडक्टिविटी के उच्चभ स्तडर के साथ लोगों को सशक्तै बनाने और उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए नई संभावनाएं खोजने के लिए डिजाइन किया गया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)